आज का विचार

इंसान जोड़ने से ज्यादा संभालकर रखना जरूरी है क्योंकि रिश्ता खून से ना हो कोई बात नहीं लेकिन भरोसे का होना जरूरी है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 2 मार्च, 2026 वर्ष 24, अंक 53, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

भारत में तानाशाही राजनीति बदलने में पंजाब साथ, 2027 में.आप को देगा 100 सीटों का तोहफा: भगवंत मान

भगवंत सिंह मान बोले- अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पूरी आम आदमी पार्टी चट्टान की तरह डटकर देश की लड़ाई लड़ रही

यज्ञांश शर्मा

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में जंतर मंतर पर आयोजित रैली में पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने भाजपा और मोदी सरकार को आइना दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत में तानाशाही राजनीति को बदलने में पंजाब आम आदमी पार्टी के साथ खड़ा है। 2027 में.पंजाब की जनता ह्यह्यआपह्लह्ल को 100 सीटों का तोहफा देगी। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पूरी आम आदमी पार्टी चट्टान की तरह डटकर देश की लड़ाई लड़ रही है। भाजपा ने एक साजिश के तहत ह्यह्यआपह्लह्ल को खत्म करने की कोशिश की, लेकिन अब वह साजिश देश के सामने बेनकाब हो चुकी है।उन्होंने कहा कि मोदी सरकार पंजाब विरोधी है। इसलिए आरडीएफ, जीएसटी समेत पंजाबियों के हक का करोड़ों रुपए रोककर बैठी है। हम देश से नफरत और झूठ की राजनीति को खत्म करने आए हैं और उस तरफ सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं।

जंतर मंतर पर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आयोजित रैली को वर्चुअली संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जब भी आम आदमी पार्टी पर कोई मुसीबत आती है, तो वह दोगुनी-चौगुनी ताकत से उभरती है। भगवान हमें हमेशा उसी नीम के पेड़ के नीचे, इसी जंतर-मंतर पर ले आते हैं, जो आम आदमी पार्टी का जन्म स्थान है। यह कार्यक्रम पहले से ही तय था, लेकिन हमें यह नहीं पता था कि जज साहब का यह ऐतिहासिक फैसला इतनी जल्दी आ जाएगा। आज पूरे देश को यह बताने का मौका मिला है कि सच हमेशा सच ही होता है।

भगवंत मान ने कहा कि सच बोलने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उसे एक बार बोलकर दोबारा याद नहीं रखना पड़ता, जबकि झूठ बोलने वालों को हमेशा याद रखना पड़ता है कि पिछली बार क्या कहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले जीएसटी का विरोध करते थे, लेकिन बाद में उन्हें ही इसे लागू करना पड़ा। पहले वे तेल की बढ़ती कीमतों पर बोलते थे, लेकिन अब जब कीमतें उससे भी ज्यादा बढ़ गई हैं, तो वे इसे मास्टर स्ट्रोक कहते हैं। आम आदमी पार्टी देश की राजनीति को बदलने और उसमें ईमानदारी भरने आई है। अरविंद केजरीवाल ने दूसरी राजनीतिक पार्टियों को मजबूर कर दिया है कि वे नफरत और धर्म की बातों के बजाय अपने घोषणापत्र में स्कूलों, अस्पतालों, बिजली,

रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर की बात लिखें। भगवंत मान ने बताया कि कैसे निजी अस्पताल वालों ने प्रधानमंत्री से शिकायत की होगी कि दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त और अच्छा इलाज होने के कारण उनका धंधा ठप हो गया है, जिसके बाद प्रधानमंत्री ने सत्येंद्र जैन को जेल में डाल दिया। इसी तरह, निजी स्कूल वालों ने शिकायत की होगी कि बच्चे सरकारी स्कूलों में जा रहे हैं और वे अब पार्टी को चंदा नहीं दे पाएंगे, तो प्रधानमंत्री ने मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया। जब देखा गया कि मुफ्त बिजली, मुफ्त दवाइयां, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर, बजट 30 करोड़ से बढ़कर 60 हजार करोड़ हो गया और इस कारण चुनाव में जीतना मुश्किल हो जाएगा, तो कोई झूठा मामला ढूंढकर अरविंद केजरीवाल और उनकी पूरी टीम को ही अंदर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सजा शायद उतनी कड़ी नहीं होती, लेकिन अदालतों के चक्कर काटना ही असल सजा होती है।

भगवंत मान ने उस मुश्किल दौर को याद करते हुए बताया कि जब पार्टी के शीर्ष पांच नेता और पूरा थिंक टैंक जेल में था, तब जालंधर का उपचुनाव आ गया था। फैसला लेने वाली कोई अथॉरिटी बाहर नहीं थी। ऐसे में हमने अपनी बैकअप टीम के साथ मिलकर काम चलाया। जेल में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के दौरान मिले मार्गदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने हमें हिम्मत दी थी कि भगवान साथ देगा, लोगों के दरवाजे खटखटाओ। इसके बाद हमने जालंधर उपचुनाव और दूसरी सांसद सीट भी बड़े अंतर से जीती, जिससे हमारा हौसला और बढ़ा।

भगवंत मान ने बताया कि जब मैं जेल में अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के लिए जाता था, तब भी अरविंद केजरीवाल केवल पंजाब और वहां के लोगों का हाल पूछते थे। वे पूछते थे कि लोगों को मुफ्त बिजली मिल रही है या नहीं, खेतों के लिए पानी का काम चल रहा है या नहीं और क्या कोई दिक्कत तो नहीं है? वे हमेशा यही निर्देश देते थे कि जो भी भ्रष्टाचार करे, जिसकी भी रिपोर्ट आए, उसे अंदर कर दो, क्योंकि हमें देश को सुधारना है।

भगवंत मान ने आगे कहा कि क्रांतिकारियों के लिए जेल घी की तरह काम करती है। उन्होंने शहीद भगत सिंह का उदाहरण देते हुए बताया कि जब असेंबली में बम फेंकने की योजना बनी थी, तब सूची में उनका नाम नहीं था। भगत सिंह ने अपना नाम खुद सूची में जोड़ा था। इस पर चंद्रशेखर आजाद (नौजवान भारत सभा के प्रमुख) ने उन्हें चेतावनी दी थी कि सांडर्स की हत्या के मामले में उन्हें लाहौर ले जाकर फांसी दे दी जाएगी। लेकिन भगत सिंह ने तर्क दिया कि पार्टी की लहर थोड़ी धीमी पड़ गई है और उसे उभारने की जरूरत है।

पंजाब गुरुओं की धरती, तप-त्याग और बलिदान की भूमि है: नायब सिंह सैनी

कहा- हरियाणा में एक साल में 60 वादे किये पूरे, 120 पर तेजी से काम जारी, अब पंजाब में है बदलाव की बारी

भूपेंद्र शर्मा

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के गुरदासपुर जिले के दीनानगर में सैनी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब गुरुओं की धरती है, यह तप, त्याग और बलिदान की भूमि है। उन्होंने कहा कि विभाजन की वेदना झेलने के बावजूद यहां के लोगों ने कभी निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब विधानसभा का आगामी चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, यह चुनाव पंजाब की राजनीतिक दिशा को बदलने, समाज को सम्मान दिलाने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि इस पावन भूमि पर आकर वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उपस्थित जनसमूह को नमन करते हुए उन्होंने आान किया कि सभी को मिलकर पंजाब को फिर से विकास के पथ पर अग्रणी राज्य बनाना है। उन्होंने कहा, हम सबने मिलकर पंजाब को फिर से रंगला पंजाब बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सैनी समाज को सम्मान देने का काम किया है। मुझ जैसे एक छोटे कार्यकर्ता को मुख्यमंत्री बनाकर समाज को ताकत दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार को हरियाणा विधानसभा में वे अपना दूसरा बजट पेश करेंगे। उन्होंने कहा कि 217 संकल्पों में से 60 पूरे किए जा चुके हैं और 120 पर तेजी से काम चल रहा है।

प्रदेश सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में किडनी मरीजों को सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है। बुजुर्गों को प्रत्येक माह की 10 तारीख तक पेंशन घर बैठे उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपए दिए जा रहे हैं। किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी जा रही हैं और 48 घंटे में भुगतान सुनिश्चित किया गया है। भावांतर भरपाई योजना से भी किसानों को लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को मकान बनाकर दिए जा रहे हैं और जिन परिवारों के पास जमीन नहीं है, उन्हें प्लॉट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लंबे समय से पंचायती भूमि पर निवास कर रहे परिवारों को मालिकाना हक भी प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की सत्ता कुछ हाथों में सिमटने से विकास प्रभावित हुआ है। अब राजनीति की दिशा बदलने का समय है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में ओबीसी वर्ग एकजुट होकर निर्णायक भूमिका निभाएगा और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में योगदान देगा ताकि पंजाब को फिर से रंगला और खुशहाल प्रदेश बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि पंजाब में 31 प्रतिशत ओबीसी वर्ग है, यह मिलकर राजनीति की धुरी बने और राजनीतिक भूमिका को निभाये। श्री सैनी ने कहा कि आज पंजाब के हालात बेहद खराब है। बेरोजगारी, नशा, अपराध और पलायन से जूझ रहे पंजाब को इन समस्याओं से निजात दिलाने का अब वक्त आ गया है। इस कार्य में सैनी समाज को बड़ी भूमिका निभानी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि बिहार चुनाव से पहले राहुल गांधी ने हरियाणा में वोट चोरी के आरोप लगाए, लेकिन इन आरोपों को जनता ने सिरे से खारिज करने का काम किया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों और स्कूली बच्चों को सम्मानित किया। इस मौके पर पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक अश्विनी शर्मा, अखिल भारतीय सैनी सभा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी तथा आयोजक जगदीश सैनी, रघुवीर सिंह सैनी, लवली सैनी, प्रवीण कुमार सैनी, हरवीर सिंह, दरबार सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार सरकार सिखों के लिए सम्मान और न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नवी मुंबई में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी समागम को आज प्रधानमंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल के उद्घोष के साथ करते हुए उन्होंने कहा कि आज सभी लोग हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर उनका पुण्य स्मरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास शौर्य, समन्वय और सहयोग का इतिहास रहा है तथा महाराष्ट्र की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम उसी महान विरासत का साक्षी है। उनके अनुसार हर वर्ग ने गुरुजी से प्रेरणा लेकर सत्य और संस्कृति के लिए अडिग रहना सीखा। सिख विरासत को सम्मान पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गुरु साहिबों से जुड़े ऐतिहासिक अवसरों को राष्ट्रीय स्तर पर मना रही है, जिसमें 400वां प्रकाश पर्व, स्मृति डाक टिकट और विशेष सिक्का जारी करना तथा गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व मनाना शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने वीर बाल दिवस की शुरूआत की, करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा किया, हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए सुविधाएं बढ़ाईं तथा सिख संस्थाओं को विभिन्न स्तरों पर राहत प्रदान की। उन्होंने 1984 दंगों की जांच के लिए एसआईटी गठन, मामलों को दोबारा खोलने, पीड़ितों को अतिरिक्त मुआवजा देने और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को सक्रिय बनाने का भी उल्लेख किया। अफगानिस्तान में सिखों की सुरक्षा के प्रश्न पर सरकार ने मिशन मोड में काम किया, गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को सम्मानपूर्वक वापस लाया और नागरिकता संशोधन कानून के माध्यम से उत्पीड़ित सिख शरणार्थियों को राहत दी।

प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 4,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

मदुरै। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय तमिलनाडु दौरे के दौरान रविवार को मदुरै स्थित प्रसिद्ध तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में भगवान मुरुगन के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर, तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी तथा आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जनसभा में भाग लेने के लिए तमिलनाडु पहुंचे हैं। अपने दौरे की शुरूआत उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आयोजित कल्याणकारी योजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम से की। इसके बाद प्रधानमंत्री मदुरै हवाई अड्डे पर आयोजित एक भव्य समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से लगभग 4,400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और परिवार के कई सदस्य मारे गए

एजेंसी (हि.स.)

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि जब तक ईरान में शांति स्थापित नहीं हो जाती, तब हमला जारी रहेगा।

अमेरिकी चैनल सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना की रिपोर्ट्स के अनुसार,

ईरान के कई मीडिया समूहों ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है। इनमें सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की है। आईआरआईबी ने रविवार सुबह बताया, "ईरान के सुप्रीम लीडर शहीद हो गए हैं।"

खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने भी इजराइल पर हमले किए हैं। तेल अवीव में ईरान के हमले में एक महिला की मौत हो गई। इजराइल ने कहा कि अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभियान के शुरूआती हमलों में लक्षित किए गए 30 प्रमुख नेताओं में से कई मारे गए। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई तब तक चलेगी जब तक ईरान के लोग आजाद नहीं हो जाते। इस बीच इजराइल का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार रात ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत का ऐलान किया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक खामेनेई मर गया है।

सिलीगुड़ी से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत, बंगाल में विकासोन्मुख सरकार की जरूरत : नवीन

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित रासमेला मैदान से रविववार को ह्यपरिवर्तन यात्राह्ल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनमानस का उत्साह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि पश्चिम बंगाल की जनता अब सकारात्मक बदलाव चाहती है और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक विकासोन्मुख सरकार की अपेक्षा कर रही है।

नितिन नवीन ने अपने संबोधन में

कहा कि राज्य की जनता ऐसी सरकार चाहती है जो केवल वादों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर काम करे और लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाए। उन्होंने दावा किया कि ह्यपरिवर्तन यात्राह्ल को मिल रहा जनसमर्थन इस बात का प्रमाण है कि बंगाल में राजनीतिक बदलाव की मजबूत इच्छा है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि यह यात्रा राज्य के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेगी और लोगों के बीच जाकर पार्टी की नीतियों तथा विकास के एजेंडे को रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान राज्य सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है, जबकि भाजपा विकास, पारदर्शिता और सुशासन के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जा रही है।

उल्लेखनीय है कि, भाजपा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर रही है और ह्यपरिवर्तन यात्राह्ल को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी का कहना है कि वह पश्चिम बंगाल में एक ऐसी सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो राज्य के सर्वांगीण विकास और जनता के कल्याण के लिए समर्पित हो।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों के साथ पुलिस के दुर्व्यवहार से नाराज हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के पहले दिन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा या दुर्व्यवस्था की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए और इसके लिए पुलिस एवं मंदिर प्रशासन तत्काल व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करें।

सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों, निमार्णाधीन परियोजनाओं और कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक संस्थाएं पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि श्रद्धा का स्थल हैं। इसलिए श्रद्धालुओं के लिए इन स्थानों पर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय। मुख्यमंत्री ने विश्वनाथ कॉरिडोर में निर्मित दुकानों तक श्रद्धालुओं की सहज पहुंच सुनिश्चित करने और वहां बिकने वाली सामग्रियों के मूल्य वाजिब रखने के निर्देश दिए। साथ ही मैनपावर बढ़ाकर मणिकर्णिका एवं हरिश्चंद्र घाट के निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहा।

गोदौलिया में निमार्णाधीन रोप-वे स्टेशन पर यात्रियों के सुरक्षित चढ़ने-उतरने की व्यवस्था के अनुरूप कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। दालमंडी सड़क चौड़ीकरण परियोजना में उचित मुआवजा वितरण सुनिश्चित करते हुए कार्य में तेजी लाने को कहा गया।

कानून-व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी धार्मिक गतिविधियां सम्बंधित धार्मिक परिसरों तक ही सीमित रहें और किसी नई परम्परा की

अनुमति न दी जाए। तीव्र आवाज वाले साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न के प्रयोग पर रोक, सड़कों पर अतिक्रमण व अवैध पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध कारोबार में संलिप्त वास्तविक जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही अवैध एवं जहरीली शराब की बिक्री और परिवहन पर सख्त निगरानी रखने को कहा गया, विशेषकर आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर। स्कूली बच्चों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने, सड़क सुरक्षा की नियमित बैठकें आयोजित करने तथा जिमों की जांच कर महिलाओं के लिए महिला प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक में मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने मुख्यमंत्री के समक्ष भविष्य की प्रस्तावित परियोजनाओं के सम्बंध में प्रेजेंटेशन दिया।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने जनपद में निमार्णाधीन विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। जिसमें उन्होंने बताया कि वर्तमान में 74 परियोजनाएं लगभग 17 हजार करोड़ की संचालित हैं। जिनके नियमित मॉनिटरिंग का लगातार कार्य किया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था, एडीजी जोन पियूष मोर्डिया ने जोन की कानून व्यवस्था, साइबर अपराधों के खिलाफ कड़ी एवं प्रभावी कार्रवाई की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी।

मुख्यमंत्री ने जिला व कमिश्नरी स्तर पर व्यापार एवं उद्योग बंधु तथा बैंकों की नियमित बैठकें कर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यवहार आमजन के प्रति शालीन और संवेदनशील होना चाहिए तथा त्वरित रिस्पॉन्स सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की गुणवत्ता, कानून-व्यवस्था और जनसुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ अवधेश सिंह, डॉ सुनील पटेल, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, एमएलसी धर्मेंद्र सिंह, अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा, डीआईजी वैभव कृष्णा, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल आदि मौजूद रहे।

नौनिहालों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को प्रदेश सरकार दे रही प्राथमिकता

सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की पोषण जरूरतों का रखा जा रहा ख्याल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार ने बाल्यावस्था देखभाल और बच्चों के समग्र विकास को केन्द्र में रखकर अनेक नीतिगत कदम उठाए हैं। पोषण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समावेशी विकास पर विशेष बल देते हुए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रदेश में प्रत्येक बच्चे का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर मिले।

नौनिहालों की पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार ने अनेक ठोस कदम उठाए हैं ताकि बच्चों का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके। प्रदेश भर में संचालित हो रहे 18,925 आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के मजबूत भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। इन केन्द्रों द्वारा छह वर्ष

किचन गार्डन पहल से बच्चों को मिल रहा पौष्टिक आहार

तक की आयु के बच्चों के स्वास्थ्य मानकों का मूल्यांकन किया जाता है ताकि बच्चे का समुचित शारीरिक और मानसिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। इस वित्त वर्ष में आंगनवाड़ी सेवा योजना के तहत 113 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। वर्तमान वित्त वर्ष में विशेष पोषाहार कार्यक्रम के तहत 1516.09 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बाल्यकाल देखभाल के साथ औपचारिक स्कूली शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को आंगनवाड़ी सह-स्कूल घोषित किया है। इससे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा की मजबूत नींव तैयार

होगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के को-लोकेशन के लिए जारी दिशा-निर्देशों को अमल में लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय संयुक्त कमेटी का गठन किया जा चुका है। प्रदेश के लिए स्वीकृत 1030 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में से जिला चम्बा के लिए 100 आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत किये गए हैं। प्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों में स्तरोन्नत करने की प्रक्रिया जारी है। राज्य के सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी व सुपरवाइजर को स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सभी सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाने के लिए मुख्यमंत्री बाल पोषण आहार योजना शुरू की है। योजना के तहत राज्य के 15,181 सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे 5.34 लाख से अधिक छात्रों को पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जा रहा है। बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्कूलों में किचन गार्डन पहल को सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। प्रदेश के 14 हजार 464 विद्यालयों में मिड-डे-मील कार्यकर्ताओं, स्कूल प्रबन्धन समिति, स्कूल स्टाफ और विद्यार्थियों की मदद से किचन गार्डन तैयार किए गए हैं। इन किचन गार्डन में मौसमी सब्जियां उगाई जाती हैं। विद्यालयों के परिसरों के साथ-साथ सीमित स्थानों वाले स्कूलों में बड़े कंटेनर, पोट्स और बाल्टियों में सब्जियां और जड़ी-बूटियां उगाई जाती हैं। किचन गार्डन में उगाई गई सब्जियों का उपयोग मिड-डे-मील बनाने में किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने नवाजी उत्तर भारत की विभूतियां हिमूतकर्ष के वार्षिक समारोह में मिला सम्मान

एजेंसी (हि.स.)
ऊना

हिमोत्कर्ष साहित्य, संस्कृति एवं जनकल्याण परिषद का 52वां राज्य स्तरीय वार्षिक अधिवेशन रविवार को एलजेएन हिमोत्कर्ष राजकीय कन्या महाविद्यालय कोटला खुर्द परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। जबकि कार्यक्रम में पूर्व विधायक ओपी रत्न व ब्रिगेडियर (से.नि.) राजीव ठाकुर विशिष्टातिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, विशिष्टातिथि पूर्व विधायक ओपी रत्न व ब्रिगेडियर (से.नि.) राजीव ठाकुर ने उत्तर भारत की 6 विभूतियों को हिमोत्कर्ष राष्ट्रीय एकात्मकता व तीन विभूतियों को हिमोत्कर्ष हिमाचलश्री पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में स्व.आयशा पटियाल स्मारक हिमोत्कर्ष छात्रवृत्ति के अंतर्गत प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला से बीएससी माईक्रोबायोलोजी की टापर दीपिका को 25 हजार रूपए छात्रवृत्ति, स्वर्ण पदक व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। जिला ऊना से प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में प्रथम 10 स्थानों पर रहने वाले 37 मेधावी विद्यार्थियों तथा जमा दो कक्षा के 22 विद्यार्थियों को स्व.संतोष कंवर स्मारक हिमोत्कर्ष मेधावी छात्रवृति के अंतर्गत एक-एक हजार नगद छात्रवृत्ति, प्रशस्ति पत्र व स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। समारोह में हिमोत्कर्ष अमोदिनी महिला सशक्तिकरण प्रकल्प के तहत 68 पात्र विधवाओं को 153000 रूपए का राशन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुष्ठ आश्रम ऊना को 11 हजार रूपए की आर्थिक मदद उपलब्ध करवाई गई। एक किडनी रोगी सूजल को एक साल के लिए 2 हजार रूपए प्रतिमाह की मदद शुरू की गई, जबकि रोड़ा गांव के सोहन सिंह व सलोह गांव के सुभाष को व्हील चेयर प्रदान की गई। कार्यक्रम में संस्था ई-नोज कंपयुटर कार्यक्रम के उतीर्ण 60 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम को मुख्यातिथि मुकेश अग्निहोत्री ने संबोधित किया तथा परिषद के जनकल्याण कार्यों की जमकर सराहना की। कार्यक्रम विशिष्टातिथि पूर्व ओपी रत्न व ब्रिगेडियर (से.नि.) राजीव ठाकुर तथा परिषद के प्रदेशाध्यक्ष जतिंद्र कंवर ने भी समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम में हिमोत्कर्ष महिला मंच की सदस्यों ने वंदे मातरम व हिमोत्कर्ष प्रशिक्षण संस्थान की छात्राओं ने राष्ट्रगान की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, विशिष्टातिथि पूर्व विधायक ओपी रत्न व ब्रिगेडियर (से.नि.) राजीव ठाकुर, ओपी रत्न व अन्य विशिष्टजनों को परिषद सदस्यों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

विरोध प्रदर्शन के बीच कश्मीर के डीजी और आईजीपी ने मैदान पर संभाला मोर्चा

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद कश्मीर के कुछ हिस्सों में चल रहे ईरान के समर्थन और इजराइल तथा अमेरिका विरोधी प्रदर्शनों के मद्देनजर पुलिस महानिदेशक (डीजी) नलिन प्रभात, पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विधि कुमार बर्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जमीन पर मोर्चा संभाल लिया है। घाटी के विभिन्न इलाकों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की सूचना मिली है, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त करके अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध किया है। इअके बाद अधिकारियों ने शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति की अनुमति देते हुए कानून और व्यवस्था बनाए रखने पर जोर देकर एहतियात के तौर पर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, एसएसपी श्रीनगर और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शांति और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जमीन पर तैनात हैं। अधिकारियों की तैनाती का उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना को रोकना और प्रदर्शनों के बीच नागरिकों की सुचारू आवाजाही को सुविधाजनक बनाना है। पुलिस ने सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और इस बात पर जोर दिया है कि तनाव या अशांति पैदा करने वाली किसी भी कार्रवाई से कानून के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने दी सुजानपुर होली उत्सव की बधाई

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सभी प्रदेशवासियों और देशवासियों को सुजानपुर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि सुजानपुर की होली वर्षों से हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का जीवंत प्रतीक रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि यह ऐतिहासिक उत्सव पीढ़ियों से प्रेम, सहयोग और मिलन की परंपरा को संजोए हुए है। सुजानपुर की होली न केवल हिमाचल प्रदेश की पहचान है, बल्कि यह राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विविधता का भी प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग भाग लेते हैं, जिससे प्रदेश की संस्कृति, लोक परंपराओं और कला को व्यापक पहचान मिलती है। मुख्यमंत्री ने समस्त देशवासियों को इस भव्य उत्सव में भाग लेने का हार्दिक आमंत्रण देते हुए कहा कि सुजानपुर की पावन धरा पर आयोजित यह होली मेला आपसी प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। गौरतलब है कि सुजानपुर में होली का राष्ट्रीय स्तरीय होली उत्सव आज से आरंभ हो रहा है।

बरसात में उजड़ा आंगन हुआ गुलजारः धियूं गांव के धर्मपाल का फिर से बनने लगा आशियाना

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए वर्तमान प्रदेश सरकार एक मजबूत सहारा बन रही है। गत बरसात के मौसम में अपने घर खो चुके प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण के लिए राज्य सरकार की ओर से बढ़ी हुई सहायता राशि मिलने पर अब उनका अपने उजड़े आशियाने फिर से बसाने का सपना सच हो रहा है। मंडी जिला के सदर उपमंडल की ग्राम पंचायत बीर के धियूं गांव निवासी धर्मपाल सिंह ने बताया कि 16 अगस्त, 2025 की रात हुई भारी बारिश से उन पर ऐसा कहर बरपा कि उनका पांच कमरों का मकान आंखों के सामने क्षतिग्रस्त हो गया।

इसके साथ ही एक पशुशाला और करीब अढ़ाई बीघा जमीन भी भारी बारिश से बह गई। ऐसे में सुक्खू सरकार ने उनकी पीड़ा को समझा और आपदा प्रभावितों के लिए घोषित विशेष राहत

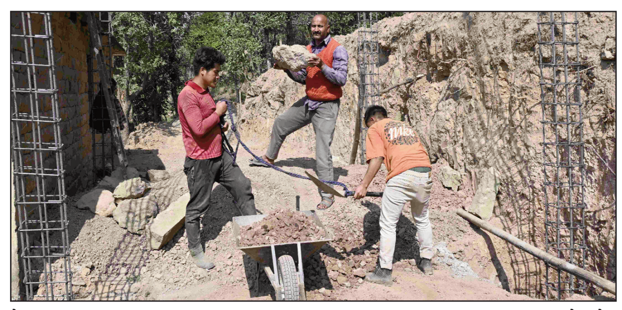

पैकेज के तहत उन्हें घर बनाने तथा गौशाला के लिए उचित राहत राशि मंजूर की। धर्मपाल बताते हैं कि इस आपदा के बाद वे अपने परिवार सहित बेघर हो गए और रिश्तेदारों के पास शरण लेनी पड़ी।

राज्य सरकार द्वारा मकान निर्माण के लिए अब सात लाख रुपये की राशि तथा घरेलू सामान के लिए भी एक लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। पहली किस्त के रूप में उन्हें 4 लाख रुपए प्राप्त हो चुके हैं। इससे उन्होंने अपने मकान का निर्माण कार्य आरंभ कर दिया है। साथ ही पशुशाला के लिए भी उचित राशि जारी की गई है। उन्होंने बताया कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और सरकारी सहायता के बिना मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था। ऐसे कठिन समय में राज्य सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी रही, जिससे उनके जीवन में फिर से आशा की किरण जगी है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का धन्यवाद करते हुए धर्मपाल कहते हैं कि प्रदेश सरकार की मदद से हमारे टूटे घर और गौशाला को दोबारा बनाने का सपना साकार हो रहा है। उम्मीद है कि अगली बरसात से पहले ही घर बन कर तैयार हो जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, तीन घायल

कुल्लू। कुल्लू जिला के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई जबकि अन्य 3 घायल हुए हैं। सड़क हादसा नग्गर के जाणा सड़क मार्ग पर रविवार सुबह सवेरे उस दौरान हुआ जब फागली उत्सव के लिए मंदिर में देवता के दर्शन करके 5 दोस्त जीप एच पी 34 ई - 1427 में वापिस लौट रहे थे लेकिन जीप जब जाणा वॉटरफॉल के समीप पहुंची तो जीप चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी गहरी खाई में ही गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौका पर इकट्ठा हो गए तथा राहत ओर बचाव कार्य शुरू कर दिए। घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया जहां दो युवकों को मृत घोषित कर दिया गया जबकि अन्य घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। पुलिस ने मौका पर पहुंच कर दुर्घटना से जुड़े सभी तथ्यों की बारीकी से जांच के बाद घायल युवक विवेक (20 वर्ष), निवासी गांव कोटाधार, कुल्लू के बयान दर्ज किए जिसमें घायल ने बताया कि हादसा उस दौरान हुआ था जब चालक अपना नियंत्रण खो बैठा ओर गाड़ी 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई। एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने बताया कि मृतक युवकों की पहचान अविनाश पैतृक गांव सौर (डाकघर कराड़सू) और विवेक निवासी गांव कोटाधार कुल्लू के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

विकास को अस्थिर करनाः खामेनेई की हत्या पर फारूक अब्दुल्ला ने गहरा दुख किया व्यक्त

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने रविवार को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर गहरा दुखद्द व्यक्त किया। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने यहां एक बयान में कहा कि अब्दुल्ला ने इस कृत्य की कड़ी निंदा की है और इसे क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए गंभीर प्रभाव वाला एक दुखद और अस्थिर करने वाला घटनाक्रम बताया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं अनिश्चितता और दुख को गहराती हैं और ज्ञान, संयम और न्याय और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के पालन की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। अब्दुल्ला ने शांति की अपील की और प्रशासन से संवेदनशीलता और विवेक के साथ स्थिति को संभालने का आग्रह किया यह सुनिश्चित करते हुए कि जो लोग शोक मनाना चाहते हैं वे सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए बिना किसी डर या अनुचित प्रतिबंध के सम्मानपूर्वक ऐसा करने में सक्षम हों। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार तड़के पुष्टि की कि इजराइल और अमेरिका के हमले में खामेनेई मारा गया। हमले में उनके दामाद और बहू की भी मौत हो गई।

ईरान में घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शांति की अपील की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या से संबंधित रिपोर्टों सहित ईरान में चल रहे घटनाक्रम के मद्देनजर सभी समुदायों से शांति बनाए रखने और शांति बनाए रखने का आग्रह किया। स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, एक्स पर एक पोस्ट में जम्मू-कश्मीर सीएम के कार्यालय ने लिखा मुख्यमंत्री ने लोगों से ऐसे किसी भी कार्य से बचने की अपील की जिससे तनाव या अशांति हो सकती है और संयम और सांप्रदायिक सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार वर्तमान में ईरान में छात्रों सहित जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ निकट समन्वय में है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और जम्मू-कश्मीर के नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

खामेनेई की मौत पर जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन महबूबा मुफ्ती ने जताया शोक

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर इजरायल और अमेरिका का दावा करना इतिहास में एक बेहद दुखद और शर्मनाक है। पीडीपी सुप्रीमो ने कहा कि ईरान के लोगों के साथ प्रार्थना। अल्लाह उन्हें अत्याचार और अन्याय की ताकतों पर शक्ति और विजय प्रदान करे। उन्होंने कहा कि इतिहास इस बात का गवाह रहेगा कि किसने न्याय के लिए लड़ाई लड़ी और किसने उत्पीड़कों की मदद की। एक्स पर महबूबा मुफ्ती ने लिखा, ₹आज का दिन इतिहास में एक अत्यंत दुखद और शर्मनाक बिंदु है, जब इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के प्रिय नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बारे में दावा कर रहे हैं।

पुंछ में एलओसी के पास भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तान का ड्रोन, सेना ने की फायरिंग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आज तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराने के लिए सेना के जवानों को गोलीबारी करनी पड़ी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन कुछ देर दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लौट गया। तीन दिनों में यह दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की आवाजाही का पता चलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि अग्रिम चौकी पर तैनात सैनिकों ने सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर दुश्मन के ड्रोन को देखा और उसे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं।

जयराम ठाकुर ने जंजैहली में सेतु सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ, उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जंजैहली में रविवार को सेतु सोशल वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की जबकि उनकी धर्मपत्नी डॉ साधना ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रही।

इस अवसर पर शिविर में आई जनता को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने सेतु सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के प्रयासों की जमकर सराहना की और कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना अत्यंत पुण्य और काबिलेतारीफ कार्य है उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि गांव के वे उम्रदराज लोग जो शारीरिक अक्षमता या संसाधनों के अभाव में बड़े अस्पतालों तक नहीं पहुंच पाते, उन्हें उनके घर-द्वार पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध करवाना समाज सेवा की पराकाष्ठा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी सेतु ट्रस्ट इसी प्रकार के सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सेवा जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि आपदा के दौरान भी गत वर्ष सेतु वेलफेयर ट्रस्ट ने बहुत सराहनीय सेवाएं थुनाग में दी थी। अपने संबोधन के दौरान जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण अभियान (एचपीवी) पर विशेष जोर देते हुए इसे महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी और दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत आने वाले वर्षों में सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की दिशा में वैश्विक मिसाल कायम करेगा। इस शिविर में आसपास के 1300 स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया, जहाँ विशेषज्ञों की एक अनुभवी टीम ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में लोगों के हर प्रकार के लैब टेस्ट भी मौके पर हुए। ईसीजी, शुगर सहित कई अन्य टेस्ट मौके पर होने से स्थानीय लोगों को बहुत लाभ पहुंचा।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने इंडोर स्टेडियम और आईटीटी भवन का शिलान्यास

चंबा। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को अपने चंबा दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत चंबा के भंजराडू में 7 करोड़ की लागत से इंडोर स्टेडियम और 9 करोड़ की लागत से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भंजराडू का शिलानयास किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहाड़ो की मुश्किलों को जानने के लिए पहाड़ों में आना जरूरी है। ऐसे में उनकी हमेशा कोशिश रहती है कि वो यहाँ आकर स्थानीय लोगों को मुश्किलों को जाने । उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत दुर्गम इलाकों को जोड़ा जा रहा है और अब केंद्र सरकार शिक्षा , स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों के विकास पर भी कार्य कर रही है । इस दौरान उन्होंने पांगी की चहनी सुरंग का भी जिक्र किया।

नशे का खात्मा और खेलों को प्राथमिकता सरकार का लक्ष्य : यादविंद्र गोमा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

कांगड़ा जिला के पंचरुखी में 22वीं अखिल भारतीय डॉ. यशवंत सिंह परमार वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को आयुष युवा सेवाएं एवं खेल तथा कानून मंत्री यादविंद्र गोमा ने किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों, खेल अधिकारियों एवं स्थानीय जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यादविंद्र गोमा ने कहा कि नशे का खात्मा और खेलों को प्राथमिकता सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि चिट्टे जैसे नशे से बचाने के लिए युवाओं को खेलों के प्रति पोत्साहित करें। विभाग की ओर से खिलाड़ियों को उचित मंच प्रदान किया जाएगा और इस संबंध में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खेल न केवल शारीरिक सुदृढ़ता प्रदान करते हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। खेल विभाग द्वारा प्रदेश भर में खेल अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण,

ग्रामीण स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी 8 टीमों के राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए तीन दिवसीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन की कामना की। इस अवसर पर जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी कांगड़ा रविशंकर द्वारा मुख्य अतिथि का औपचारिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता है, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आई 8 टीमें भाग ले रही हैं तथा कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

बारामूला पुलिस ने इजरायल-ईरान के बीच युद्ध के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की

एजेंसी (हि.स.)
बारामूला

पुलिस ने रविवार को एक एडवाइजरी जारी करके इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर मीडिया हाउसों, पत्रकारों, सोशल मीडिया उपयोगकताओं, डिजिटल प्लेटफार्मों और व्यक्तियों से रिपोर्टिंग और जानकारी साझा करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया है। जिला पुलिस बारामूला ने सलाह दी है कि कानून-व्यवस्था या सार्वजनिक समारोहों से संबंधित किसी भी खबर को प्रकाशन या प्रसारण से पहले आधिकारिक और विश्वसनीय स्त्रोतों से सत्यापित किया जाना चाहिए। इसने आगाह किया कि अफवाहों, असत्यापित रिपोर्टों या काल्पनिक सामग्री के प्रसार से अनावश्यक दहशत पैदा हो सकती है और सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है। पुलिस ने मीडिया बिरादरी से सनसनीखेज से परहेज करने और आधिकारिक अपडेट पर सख्ती से भरोसा करने का भी अनुरोध किया।पुलिस ने आगे चेतावनी दी कि गलत सूचना या अफवाहें फैलाने में शामिल पाई जाने वाली संस्थाओं को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। इस बात पर जोर देते हुए कि शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए जिम्मेदार रिपोर्टिंग और सूचना साझा करना आवश्यक है। पुलिस ने नागरिकों से शांत और व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने में सकारात्मक योगदान देने की अपील की।

रोष नए कलस्टर सिस्टम लागू करने से प्राथमिक शिक्षा का ढांचा गड़बड़ा गया: कौंडल

नए कलस्टर सिस्टम के खिलाफ प्राथमिक शिक्षकों ने किया धरना-प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

जिला भर के हजारों प्राथमिक शिक्षकों ने रविवार को मंडी में नए कलस्टर सिस्टम व अन्य मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष बाबू राम कौंडल की अगुवाई में किया गया। जिला के सभी 25 खंडों के शिक्षक उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा के कार्यालय के साथ लगते मैदान में एकत्रित हुए और नए कलस्टर सिस्टम वापस लेने सहित अन्य मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए उपायुक्त कार्यालय के बाहर इकट्ठे हुए, जहां जिलाध्यक्ष बाबू राम कौंडल सहित अन्य कर्मचारी नेताओं ने शिक्षकों को संबोधित किया।

इस मौके पर बाबू राम कौंडल ने कहा कि नए कलस्टर सिस्टम लागू करने से प्राथमिक शिक्षा का ढांचा गड़बड़ा गया है और प्राथमिक शिक्षकों पर आज दिन नए फरमान जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संघ ने सरकार के समक्ष कई मर्तबा

शिक्षकों की समस्याओं को रखा, लेकिन खेद की बात है कि आज दिन तक संघ की मांगों को अनसुना किया गया। उन्होंने चेतावनी हुए कहा कि कि प्राथमिक शिक्षकों की मांगों को जल्द पूरा नहीं किया जाता और संघ को एक सप्ताह के भीतर वार्ता के लिए नहीं बुलाया जाता है तो प्राथमिक शिक्षक अपने आंदोलन को उग्र करने के लिए विवश होंगे, जिसकी सारी जिम्मेवारी प्रदेश सरकार व शिक्षा विभाग की होगी। बाबू राम कौंडल ने आरोप लगाया है कि कुछ अधिकारी मुख्यमंत्री को गुमराह कर रहे हैं, जिससे शिक्षकों की मांगों को लंबे समय से अनसुना किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग ने 23 सितंबर 2025 को नई परिसर प्रणाली पर एक अधिसूचना जारी की गई थी और इस अधिसूचना से पूर्व शिक्षा विभाग द्वारा 20 नवंबर 2023 को नए क्लस्टर निर्माण पर एक अधिसूचना जारी की गई थी। इस अधिसूचना कर प्राथमिक शिक्षक संघ ने उस समय विरोध किया था, जिसके बाद शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षकों के हितों को सुरक्षित रखते हुए 13 फरवरी 2024 को संशोधित अधिसूचना जारी की थी। इस अधिसूचना में बनाए गए क्लस्टर सिस्टम को रिसोर्स शेयरिंग तक रखने पर सहमति बनी थी। 23 सितंबर 2025 को जारी अधिसूचना के दिशा निदेशों में प्राथमिक शिक्षा पूर्ण नियंत्रण व संचालन प्रिसिंपल को दे दिया गया है, जोकि प्राथमिक शिक्षकों के हितों के साथ कुठाराघात है। इस अधिसूचना के जारी दिशा निदेशों में विरोधाभास की स्थिति है और प्राथमिक शिक्षकों को दो-दो प्रशासनिक इकाइयों के अधीन किया जा रहा है। इससे प्राथमिक शिक्षा को भविष्य में भारी नुकसान होने वाला है। यदि इस अधिसूचना को जल्दी वापस नहीं लिया गया तो प्राथमिक शिक्षक संघ प्रदेश व्यापी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस मौके पर संघ के प्रदेश सह सचिव दीप वर्मा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष हेमराज ठाकुर, जिला महासचिव अतुल लखनपाल सहित समस्त जिला कार्यकारिणी, द्रंग-1 के अध्यक्ष बलवीर ठाकुर व चौंतड़ा-1 के प्रधान कपिल राव सहित सभी खंडों के अध्यक्ष मौजूद रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेंजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

आबादी के बढ़ने से फ्लैट निर्माण जैसी तकनीक को खेती में भी प्रयोग करने की जरुरत : श्याम सिंह राणा

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा लाडवा में एचएयू के दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कृषि विकास मेले के समापन पर बतौर मुख्यातिथि पहुंचे

सिटी दर्पण संवाददाता

लाडवा

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जिस प्रकार आबादी के बढ़ने पर फ्लैट निर्माण हो रहे हैं वैसे ही खेती में भी तकनीक का प्रयोग करने की जरूरत है। धरती पर जमीन का दायरा तय है। जैसे-जैसे परिवार बढ़ रहा है वैसे ही भूमि घट रही है। किसानों को समझना होगा कि वो अपनी जमीन को कैसे बचाएं। प्राकृतिक तरीके से खेती और कम पानी वाली फसलों को अपनाने की जरूरत है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा रविवार को लाडवा की अनाज मंडी में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कृषि विकास मेले के समापन पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मंत्री श्याम सिंह राणा ने मेला परिसर और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने स्मृति चिन्ह, पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। उन्होंने ड्रा योजना के तहत ड्रम से पर्ची निकाली, इसमें दूसरे दिन पानीपत के गांव मदी निवासी संदीप की धान की सीधी बिजाई करने वाली डीआरएस मशीन निकली। मंच से पहले दिन ड्रा में निकले ट्रैक्टर, डीआरएस मशीन व रोटावेटर मशीन देकर किसानों को सम्मानित किया।

मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्राचीन समय से कहावत में उत्तम खेती मध्यम व्यापार कहा जाता है। इसका मतलब है कि शुरूआत से ही खेती को उत्तम माना जाता है। जिस देश की खेती उत्तम होगी, वो देश उतनी ही तरक्की करेगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश की जमीन सबसे ज्यादा समतल है। यहां पर देश में सबसे ज्यादा अनाज का उत्पादन होता है। हर फसल का उत्पादन यहां पर किया जाना संभव है। हमारे बुजुर्ग शुरू से ही हर तरह की फसल का उत्पादन करते आए हैं। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आज हमारे देश को किसान हितैषी, अनुभवी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व मिला है। प्रधानमंत्री जमीन से जुड़े होने के कारण व्यापारी, किसान के बारे में सोचते हैं। उन्हीं योजनाओं को हमारी प्रदेश की सरकार भी किसानों के लिए

लागू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य तय किया है। जिसको ध्यान में रखते हुए देश को आगे बढ़ाने के लिए योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य किसान की वास्तविक आय को 4 गुणा बढ़ाना है।

मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसान को विकसित बनाने के लिए देश में सबसे पहले हरियाणा प्रदेश में सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदना शुरू किया। इसके बाद शहर और बागवानी की 21 फसलों पर भी एमएसपी निर्धारित किया। वहीं भावांतर भरपाई योजना के माध्यम से किसानों के फसल को मंडी में मिलने वाले भाव के अंतर को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब जगह जगह पर किसान सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों ने खेती की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कार्यालयों में बैठकर किसान के लिए योजनाएं तैयार की, जिनका खेत से कोई संबंध नहीं था और हमारा किसान पिछड़ा चला गया। जिसका परिणाम ये हुआ कि आज को युवा किसानी-खेती को घाटे का सौदा मानते हुए कृषि करने की बजाए नौकरी करना पसंद करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास जब कोई मुद्दा नहीं था तो वो बार-बार पूछ रहे थे किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। जब हमारी सरकार ने उनसे पूछा कि किसान की आय कितनी थी तो कांग्रेस पार्टी के पास जवाब नहीं था। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि कांग्रेस के शासन में किसान अपनी फसल को मंडी में बेचता था और उसकी फसल का पैसा किसान की बजाए किसी और के खातों में जाता था। किसानों को उसकी फसल का पैसा देखने को भी नहीं मिलता था। जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला तो उन्होंने कहा कि जिसकी फसल उसका पैसा और किसानों के खातों में फसल का पैसा देना शुरू किया। हरियाणा में फसल बिकते ही 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में पैसे पहुंच जाते हैं।

इसी तरह मेरा फसल मेरा ब्योरा योजना को लागू करते हुए जिसकी जमीन उसका खाद योजना को लेकर आए। इन योजनाओं को प्रदेश सरकार ने भी हरियाणा में लागू करते हुए किसानों को लाभ दिया। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें पलवल के गांव मीरपुर कौराली निवासी इंदिरा देवी, आदमपुर निवासी रेखा, भिवानी के गांव नाथूवास निवासी मुन्नी बाई, फैज्जुपुर खाद निवासी सरिता, मेवात के संगेल निवासी मंचनल रानी, गांव ढाणी डूल्टर निवासी सरोज, झज्जर के गांव देव नगर निवासी मनीषा, रेवाडी के गांव मोहम्मदपुर निवासी शिला देवी, करनाल के गांव टीकरी निवासी ईलम सिंह, यमुनानगर के गांव खुंडेवाला निवासी बेअंत सिंह, महेंद्रगढ़ के गांव खायरा निवासी योगेंद्र कुमार, लखमीरवाला निवासी सुभाष चंद, कैथल के गांव जसवंती निवासी प्रदीप कुमार, पंचकूला के गांव बडोना कलां निवासी जैब, सोनीपत के गांव आहुलाना निवासी सैशन कुमार, कुरुक्षेत्र के उमरी निवासी प्रेम पाल सिंह, अंबाला के गांव बकनौर निवासी अरविंदर सिंह, रोहतक के गांव रिठाल निवासी नीरज, सिरसा के गांव रुपाना निवासी सुरेंद्र कुमार, मेवात के उजीना निवासी मनीष पाल और झज्जर के गांव बजीरपुर निवासी संदीप को सम्मानित किया गया। चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. डा. बीआर काम्बोज ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रकृति के साथ किसी को भी छेड़छाड़ करने का अधिकारी नहीं है। प्रकृति में विशेषकर पानी, भूमि और वातावरण शामिल है। प्रकृति के इन अंगों को सभी अपनी आने वाली पीढ़ी को सौंपने के लिए कदम बढ़ाएं और पानी, भूमि व वातावरण का सदुपयोग करें। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रमेश कुमार यादव ने मंच से सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, कुलसचिव डा. पवन कुमार, डा. कृष्ण कमार यादव, अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग, डा. संजय कुमार, कृषि उप निदेशक डा. कर्मचंद, जिला बागवानी अधिकारी डा. शिवेंदू प्रताप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हुड्डा चौक के जीर्णोद्धार कार्य का भी किया शुभारंभ, हरित एवं स्वच्छ पलवल का आह्वान

हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने रविवार को पलवल के सेक्टर-2 स्थित हुड्डा चौक पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करे, तो न केवल पलवल बल्कि पूरा हरियाणा हरित एवं स्वच्छ बन सकता है। उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से बढ़-चढकर इस अभियान में भाग लेने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान श्री गौतम ने पलवल के सेक्टर-2 स्थित हुड्डा चौक स्थित भव्य प्रवेश द्वार के जीर्णोद्धार कार्य का भी शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस कार्य से पलवल का प्रवेश द्वार और अधिक आकर्षक, सुसज्जित एवं गौरवशाली स्वरूप में विकसित होगा। यह पहल शहर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ पलवल की पहचान को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि शहर का विकास केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता, हरियाली और सुव्यवस्थित वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

गौ सेवा से सशक्त होगी संस्कृति और समाज की एकता: डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

भटगांव गौशाला के 126वें वार्षिकोत्सव में 11 लाख रुपये की अनुदान राशि की घोषणा

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला है। गौ माता की सेवा अपने सगे माता-पिता की सेवा के समान है और इससे प्राप्त आशीर्वाद समाज व राष्ट्र दोनों को समृद्ध और समर्थ बनाता है। सनातन संस्कृति में गौ माता को 33 करोड़ देवी-देवताओं का स्थान प्राप्त है, इसलिए गौ सेवा से बढकर कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता।

वे भटगांव स्थित गौशाला के 126वें वार्षिकोत्सव समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गौशाला के विकास और व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। डॉ. शर्मा ने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि वर्ष 1995-96 में उन्हें पूज्य नारायण दास महाराज जी का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। नारायण आश्रम में बिताए समय ने उनके मन में गौ सेवा के प्रति गहरी आस्था और समर्पण का भाव उत्पन्न किया। उन्होंने बताया कि उनके परिवार—दादा जी, पिता जी और धर्मपत्नी—सभी में गौ सेवा के प्रति विशेष श्रद्धा रही है, जो उनके जीवन और कार्यशैली का मार्गदर्शन करती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 1996 में जब वे चुनाव मैदान में थे, उस समय हरियाणा में लगभग 90-94 गौशालाएं थीं, जबकि आज प्रदेश में 700 से अधिक पंजीकृत गौशालाएं संचालित हो रही हैं। यह बढ़ोतरी इस बात का प्रमाण है कि प्रदेशवासियों में गौ सेवा के प्रति श्रद्धा, प्रेम और समर्पण निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बूंद-बूंद से घड़ा भरता है और जब 36 बिरादरी मिलकर सेवा कार्य करती है, तभी समाज को सच्चा आशीर्वाद प्राप्त होता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि गौशालाएं दान-पुण्य से संचालित होती हैं और दान की राशि का आकार नहीं, बल्कि उसके पीछे की भावना महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। गौशालाओं में चारे, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं और संतुलित आहार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। समय-समय पर पशु चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच करवाई जाती है, ताकि गौवंश का स्वास्थ्य उत्तम बना रहे।

उन्होंने जानकारी दी कि 3 मार्च को हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी भटगांव में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और यहां से अन्य गौशालाओं के लिए भी अनुदान राशि के चेक वितरित करेंगे। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाएं।

विकास और संस्कृति साथ-साथ

डॉ. शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश की उन्नति सनातन संस्कृति को मजबूत करने से ही संभव है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र व हरियाणा सरकार द्वारा किसान, मजदूर, महिलाएं, युवा, व्यापारी, कर्मचारी, दलित, पिछड़ा वर्ग तथा शहीदों के परिवारों के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि विकास कार्यों में कहीं कोई कमी है तो जनता अपने सुझाव दे, सरकार हर सकारात्मक सुझाव को गंभीरता से लेकर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने जानकारी दी कि फरमाना गांव में शहीद की खंडित प्रतिमा के पुनर्निर्माण के लिए 2 लाख 40 हजार रुपये की राशि स्वीकृत कर दी गई है और शीघ्र ही मरम्मत कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

सड़क दुर्घटना में डिलीवरी बॉय की मौत

गुरुग्राम। उद्योग विहार थाना क्षेत्र में कैंटर की टक्कर से एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। वह बाइक पर सवार होकर जा रहा था। पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने रविवार को बताया कि कैंटर को जब्त करने के साथ ही चालक को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी अनुसार यूपी के कानपुर निवासी कृष्ण गुप्ता (25) डूंडाहेड़ा गांव में किराये पर रहता था। वह ऑनलाइन खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करता था। वह पार्सल लेकर जा रहा था। पीपल चौक के निकट एक कैंटर ने उसको पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कृष्ण गंभीर रूप से घायल हुआ तो उसे उपचार के लिए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। जांच अधिकारी एएसआई रज्जो ने बताया कि पुलिस ने कैंटर को जब्त कर लिया है। वहीं चालक श्याम सुंदर को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है।

अपहृत लड़की गुरूग्राम से बरामद, आरोपित काबू

जींद। सदर थाना सफीदों क्षेत्र से लगभग अढाई माह पहले अपहृत की गई नाबालिग लड़की को पुलिस ने गुरुग्राम से बरामद किया है। पुलिस ने अपहृत करने वाले आरोपित को रविवार को काबू कर उसके खिलाफ अपहरण, यौन शोषण करने चार व छह पाक्सो एक्ट समेत अन्य धारा जोड़ कर अदालत में पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया है। सदर थाना सफीदो इलाके एक व्यक्ति ने गत 10 जनवरी को पुलिस को दी शिकायत मे बताया था कि साढ़े 17 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। व्यक्ति ने आरोप लगाया था कि सीएससी चलाने वाला गांव निम्नाबाद निवासी मोहम्मद ने उसकी बेटी को अपहरण किया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मोहम्मद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया। लगभग अढाई माह के बाद पुलिस को सूचना मिली कि अपहृत लडकी तथा आरोपित मोहम्मद गुरुग्राम है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लड़की को बरामद कर आरोपित मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। लड़की ने आरोप लगाया कि मोहम्मद ने उसे बंधक बना कर रखा और बाहर निकलने पर उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। आरोपित ने उसका लगातर यौन शोषण किया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने आरोपित मोहम्मद के खिलाफ अपहरण के अलावा, बधंक बनाने, यौन शोषण करने, चार एव पाक्सो एक्ट समेत अन्य भारतीय न्याय संहिता जोड़ दी। बाद में आरोपित को अदालत में पेश किया गया। जहां से अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया। सदर थाना सफीदों प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि अपहृत लड़की को बरामद लिया गया है।

अपराध नियंत्रण और शिकायत निस्तारण पर पुलिस की सख्ती

यमुनानगर। यमुनानगर में थाना शहर प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने रविवार को थाना परिसर में तैनात सभी अनुसंधान अधिकारियों की बैठक लेकर कानून व्यवस्था और लंबित मामलों की समीक्षा की। बैठक पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के निर्देशों के तहत आयोजित की गई, जिसमें अपराध नियंत्रण और शिकायतों के समयबद्ध निपटारे पर विशेष जोर दिया गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना प्रभारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आदतन अपराधियों की नियमित जांच करते हुए उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए रखने को भी कहा गया। महिला संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पीएम विंडो, सीएम विंडो तथा हरसमय पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में समाधान करने पर बल दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि फरियाद लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर उन्हें शीघ्र न्याय दिलाया जाए, जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत हो सके। अधिकारियों को आधुनिक तकनीक के उपयोग में दक्ष रहने तथा उच्च अधिकारियों द्वारा मांगी गई रिपोर्ट और जवाब समय पर भेजने के निर्देश भी दिए गए।

शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध संवर्धन और उद्योग-अकादमिक समन्वय पर विस्तृत मंथनकेयू में अकादमिक प्लानिंग बोर्ड की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अकादमिक प्लानिंग बोर्ड की अहम बैठक विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों, पाठ्यक्रमों के आधुनिकीकरण, शोध गतिविधियों के विस्तार, उद्योगों से सहयोग तथा विद्यार्थियों के कौशल विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई। इस अवसर पर डॉ. धनपत राम अग्रवाल की पुस्तक मोनोग्राफ आन आईपीआर लॉ एंड आईपीआर मैनेजमैंट का विमोचन भी किया गया। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप लचीला, बहुविषयक और शोधोन्मुखी बनाना समय की मांग है। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने, डिजिटल शिक्षण संसाधनों को सुदृढ़ करने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक सहयोग बढ़ाने पर बल दिया।

बैठक के दौरान नए व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम प्रारंभ करने, शोध परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता लाने तथा महाविद्यालयों के साथ समन्वय को और मजबूत करने पर सहमति बनी।

बैठक में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राकेश कुमार, डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. ब्रजेश साहनी, डीन प्रो. संजीव अग्रवाल, प्रो. मंजुला चौधरी, प्रो. दिनेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, , ओएसडी पवन रोहिल्ला तथा डॉ. पंकज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी सदस्यों ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित भाव से कार्य करने की बात कही।

होली न केवल एक सामाजिक उत्सव है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर भी है: डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

होली एवं रंगोत्सव के पावन पर्व पर कर्मयोग सेवा सदन ट्रस्ट, मातृभूमि सेवा मिशन एवं राष्ट्र रक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान मे पुष्प होली मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं बल्कि बुराई पर अच्छाई की के विजय का प्रतीक है। होली सनातन संस्कृति का एक प्रमुख त्योहार है, जो सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता का संदेश देता है। यह रंगों का उत्सव समाज में वर्ग, उम्र और लिंग के भेदभाव को भुलाकर लोगों को एक साथ लाता है। यह आपसी मनमुटाव मिटाकर रिश्तों को मजबूत करने, खुशियां बांटने और आपसी वैमनस्य भूल जाने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। यह विचार होली एवं रंगोत्सव के पावन पर्व पर कर्मयोग सेवा सदन ट्रस्ट, मातृभूमि सेवा मिशन एवं राष्ट्र रक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुष्प होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र, कर्मयोग सेवा सदन ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. ममता सरोहा, राष्ट्र प्रेम मंच के अध्यक्ष विजय सैनी, महंत विजय दास ने संयुक्त रूप से भारतमाता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। पुष्प होली मिलन समारोह में सरोज जांगड़ा जी सोनीपत, हरियाणवी कलाकार मीता बडौदा, मां भारती ग्रुप से प्रेम गौतम सहित अनेक कलाकारों ने होली के गीत गाकर जबरजस्त प्रस्तुति दी। सभी उपस्थित जन समूह के मध्य पुष्पों से होली खेली गई। अतिथियों पर पुष्पवर्षा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा होली न केवल एक सामाजिक उत्सव है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहर भी है। होली एक ऐसा पर्व है जो न केवल मनोरंजन, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भाव को भी मजबूत करता है। भारतभूमि के संस्कार वास्तव में एक ऐसी अनमोल विरासत है, जो सदियों से एक परंपरा के रूप में प्रचलित है। वर्तमान में जहां परिवार टूट रहे हैं, वहीं समाज में अलगाव की भावना भी विकसित होती जा रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कर्मयोग सेवा सदन ट्रस्ट की अध्यक्षा डॉ. ममता सरोहा ने कहा होली का पर्व हमे जरूरतमंद, अभावग्रस्त एवं ना जीवन जी रहे लोगो की सेवा करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम को वैद्य देशराज कश्यप, गुलशन एडवोकेट, एडवोकेट अमित सैनी, रामेश्वर यादव बतौर अति विशिष्ट अतिथि संबोधित किया।

रामशरण माजरा में राजकीय कॉलेज खुलने से युवाओं को पढ़ने के लिए बराड़ा, शाहाबाद और कुरुक्षेत्र जाने की नहीं पड़ेगी जरुरत : सुमन सैनी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए रामशरण माजरा गांव में राजकीय कॉलेज खोलने के निर्देश दिए हुए हैं। इस परियोजनाओं को लेकर हायर एजूकेशन विभाग तेजी से काम कर रहा है।

गांव रामशरण माजरा में कॉलेज खुलने से लाडवा विधानसभा के दर्जनों गांवों के युवाओं को पढ़ने के लिए शाहाबाद, बराड़ा और कुरुक्षेत्र जाने की जरुरत नहीं पड़ेगी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी रविवार को बाबैन मंडल के विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में ग्रामीणों को संबोधित कर रही थी। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने गांव रामपुरा, भगवानपुर, ईसरहेडी, बेरथला, सुनारियां, फलसडा रागडान, घिसरपड़ी, रामशरण माजरा और नखरोजपुर के नागरिकों की समस्याओं को सुना और समस्याओं का निपटारा करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने नागरिकों को कबीर कुटीर आने का निमंत्रण भी दिया। सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं लाडवा विधानसभा के नागरिकों के लिए समय निकालकर उनके बीच समस्याएं सुनने के लिए आ रहे हैं। लाडवा के विकास के लिए लगातार काम किया जाए रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर विधानसभा के प्रत्येक गांव व शहरी क्षेत्र में विकास कार्य चल रहे हैं। इन करोड़ों रुपए की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। इस परियोजनाओं के पूरा होने के बाद लाडवा विधानसभा की दशा और दिशा पूरे प्रदेश के लिए मॉडल का काम करेगी।

समाज, संस्कृति, संस्कार, नैतिकता और श्रेष्ठ आचरण ही संघ के कार्य का मूल आधार : डॉ. मोहनराव भागवत

सिटी दर्पण संवाददाता

कुरुक्षेत्र

सरसंघचालक डा. मोहनराव भागवत ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमद्भगवद्गीता सभागार में शिक्षाविदों, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के साथ किया संवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा.मोहनराव भागवत ने कहा कि समाज, संस्कृति, संस्कार, नैतिकता और श्रेष्ठ आचरण ही संघ के कार्य का मूल आधार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नैतिक मूल्यों, आचरण, संस्कार और समाज के प्रति प्रतिबद्धता के साथ पुरुषार्थ का समन्वय आवश्यक है, तभी स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। सरसंघचालक शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के श्रीमद्भगवद् गीता सभागार में संघ शताब्दी वर्ष के मध्य प्रमुख जन गोष्ठी में हरियाणा प्रदेश के प्रमुख शिक्षाविदों, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंच पर सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल बी.एस. जयसवाल, उत्तर क्षेत्र संघचालक पवन जिंदल और प्रांत संघचालक प्रताप सिंह मौजूद रहे। उन्होंने इस अवसर कुटुंब प्रबोधन पर भी जोर दिया। परिवार की भूमिका पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि घरों में मंगल संवाद की परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां मन से मन का संवाद हो और बच्चों को उचित-अनुचित का बोध कराया जाए। उनका कहना था कि केवल उपदेश नहीं, बल्कि संवाद और संस्कारयुक्त वातावरण ही व्यक्ति को भटकाव से बचाता है। सरसंघचालक ने कहा कि संपत्ति के समय साथ खड़े होने वाले बहुत होते हैं, लेकिन विपत्ति में साथ देने वाला कौन है, यह परिवार और समाज के संस्कार तय करते हैं। यदि कोई भी इंसान असफल हो जाए या बुरी संगति में पड़ जाए, तो उसे मार्गदर्शन देने वाला, समझाने वाला और संभालने वाला अपना परिवार और समाज ही होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुटुंब और समाज में संस्कारों का वातावरण निर्माण करना समय की आवश्यकता है, क्योंकि यही वातावरण जिम्मेदार, संवेदनशील और चरित्रवान व्यक्तित्व का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि संघ के बारे में जो बोला वह आपने सुना है, यह कैसा और क्यों हुआ है, इसको जानने के बाद संघ को और आगे कैसे बढ़ा सकते हैं यह इसकी कल्पना है, संघ को समझना है तो संघ में आकर ही समझना पड़ेगा। केवल बाहर से देखकर और कल्पना और फैलाये जा रहे नैरेटिव से नहीं समझ सकते, क्योंकि संघ का जैसा काम है, वैसा दुनिया में और कहीं नहीं है। आज पांचों महाद्वीपों से महत्वपूर्ण लोग संघ को देखने, जानने और समझने के लिए आते हैं। वे भी अपने देश के युवाओं के लिए इस तरह का विचार संगठन खड़ा करने के लिए सहयोग मांगते हैं, क्योंकि उसके पास में ऐसा ढांचा नहीं है।

संघ का मूल कार्य व्यक्तित्व निर्माण और समाज संगठन है। संघ स्वयं को उद्धारक नहीं मानता, बल्कि समाज को सक्षम बनाने का कार्य करता है। उनके अनुसार, प्रत्येक गांव और बस्ती में ऐसे लोगों का निर्माण जरूरी है जो राष्ट्रीय चरित्र के उदाहरण बनें और समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करें। सरसंघचालक ने यह भी कहा कि संघ संपूर्ण समाज को जोड़ने की बात करता है और विरोधी विचारों वाले लोगों के प्रति भी घृणा नहीं, बल्कि करुणा का भाव रखना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंदू किसी संकीर्ण पहचान का नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और गुणात्मक जीवन दृष्टि का प्रतीक है, जिसका मूल आधार संस्कार, आचरण और राष्ट्रहित है।

संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट जनरल बी.एस. जायसवाल ने अपने संबोधन की शुरूआत वंदे मातरम् के उद्घोष से की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्ष की यात्रा को असाधारण बताया। उन्होंने कहा कि विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन हो जो इतने वर्षों से निरंतर विस्तार और प्रभाव के साथ कार्य कर रहा हो। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्हें नैतिक मूल्यों से प्रेरित वातावरण का अनुभव हुआ। जयसवाल ने संघ को एक वैल्यू-आधारित संगठन बताते हुए कहा कि सेना की तरह संघ भी अनुशासन, संस्कार और राष्ट्रीयता के भाव से परिपूर्ण है। उन्होंने हिंदू संस्कृति को भारत की पहचान बताते हुए कहा कि यदि संस्कृति समाप्त हो जाए तो केवल भूमि रह जाएगी, चरित्र नहीं। उन्होंने कहा कि संघ के माध्यम से राष्ट्र के प्रति निष्ठा और चरित्र निर्माण का कार्य निरंतर बढ़ रहा हे ।

संपादकीय

खामेनेई की मौत से मचा वैश्विक भूचाल: अमेरिका-इजराइल हमले पर दुनिया दो धड़ों में बंटी

मध्य पूर्व में संघर्ष का अब तक का सबसे संवेदनशील मोड़ आ गया जब संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त सैन्य हमलें में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की पुष्टि हुई। इस निर्णायक हमले ने विश्व राजनीति में भू-राजनीतिक तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है और वैश्विक समुदाय के मध्य तीखी प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया है। घटना के उद्घाटित होने के बाद विभिन्न देशों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और शक्तियों ने अपनीअपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराई है। ये प्रतिक्रियाएँ न केवल खामेनेई की मौत पर भावनात्मक स्तर पर हैं, बल्कि इससे उत्पन्न क्षितिज पर संभावित युद्ध, कूटनीति और विश्व सुरक्षा के मुद्दों पर भी केंद्रित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने खामेनेई की हत्या की पुष्टि करते हुए इसे एक 'ऐतिहासिक क्षण' बताया और खामेनेई को 'इतिहास के सबसे दुष्ट व्यक्तियों में से एक' करार दिया। ट्रम्प का बयान था कि यह अमेरिका तथा उसके सहयोगियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम था और उन्होंने ईरान को चेताया कि अगर वह और प्रतिशोध करने की कोशिश करेगा तो उसे 'इतिहास की सबसे भयंकर प्रतिक्रिया' का सामना करना पड़ेगा। इजरायली रक्षा मंत्रियों ने इस हमले को समर्थन देते हुए कहा कि खामेनेई 'उन लोगों में से था जिसने इजराइल के विनाश के लिए सभी प्रयास किए' और इस हमले को एक 'न्यायपूर्ण कार्रवाई' बताया। इजराइल ने यह भी संकेत दिया है कि वह क्षेत्र में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसी प्रकार का अभियान जारी रख सकता है। रूस और चीन ने अमेरिका-इजराइल के हमले की कड़ी आलोचना की है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे 'न्याय के बिना हत्या' और 'अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन' बताया। पुतिन ने खामेनेई को एक रणनीतिक भागीदार और दो-तरफा मित्रता के इतिहास का व्यक्ति बताया और ईरान के प्रति अपनी संवेदना जताई। चीन ने भी इस कार्रवाई की 'गंभीर निंदा' की और इसे ईरान की संप्रभुता तथा सुरक्षा का उल्लंघन कहा। चीन ने युद्ध को तत्काल रोकने तथा कूटनीति की वापसी का आग्रह किया। यूरोपीय संघ की उच्च विदेश नीति प्रमुख काजा कलेस ने खामेनेई की मौत को ईरान के इतिहास में निर्णायक पल बताया, लेकिन उन्होंने तनाव कम करने और कूटनीति पर जोर देने का आह्वान किया। यूरोपीय देशों में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान की कुछ जवाबी कार्रवाई की निंदा की, पर मुख्य रूप से उन्होंने प्रतिशोध से बचने और वार्ता की पुनः शुरूआत की सलाह दी। फ्रांस समेत कई यूरोपीय नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने का समर्थन भी किया है। ब्रिटिश रक्षा सेक्रेटरी ने अपने बयान में कहा कि ब्रिटेन ईरान द्वारा संभावित 'असंयमित हमलों' से अपने नागरिकों और सैनिकों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन उन्होंने सीधे अमेरिका-इजराइल के हमले का समर्थन नहीं किया। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कुछ पश्चिमी देशों ने अमेरिका के कदम को मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिहाज से समर्थन योग्य बताया, जबकि कई अन्य ने विवाद को कूटनीति द्वारा सुलझाने की वकालत की। ईरान-समर्थक संगठनों जैसे हमास ने खामेनेई की हत्या पर 'विशाल क्षति' बताया और अमेरिका तथा इजराइल को 'भयावह अपराध' कहा। उन्होंने अरब और मुस्लिम देशों से प्रतिशोध के लिए आह्वान किया। देशों जैसे यमन के हूती समूह ने भी ईरानी जनता के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए इस वार को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। विश्व के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और समर्थन रैलियाँ शुरू हो गई हैं। दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान में अमेरिकी कांसुलेट पर विरोधी भीड़ की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की मौत हुई। इराक, लेबनान, बांग्लादेश, और कुछ अफ्रीकी देशों में भी खामेनेई की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन बड़े पैमाने पर हुए, जहाँ लोगों ने अमेरिका तथा इजराइल के खिलाफ आवाज उठाई। विश्लेषकों के अनुसार, खामेनेई जैसे अहम राजनीतिक और धार्मिक नेता की हत्या से न केवल ईरान की नेतृत्व संरचना में अस्थिरता आएगी, बल्कि इससे मध्य पूर्व में विद्यमान तनाव और उभर सकता है। इजराइल और अमेरिका के खिलाफ ईरान ने मिसाइलों तथा ड्रोन द्वारा जवाबी कार्रवाई की है, जिससे क्षेत्र में सैन्य गतिरोध और जोरों पर है। विश्व समुदाय के लिए फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती युद्ध को रोकना, कूटनीति को पुनः स्थापित करना और वैश्विक तेल बाजार तथा आर्थिक स्थिरता के लिए खतरे को न्यूनतम करना है। प्रारंभिक रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आपात बैठकें बुलाकर सभी पक्षों को संयम और बातचीत का आग्रह किया है। अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर विश्व प्रतिक्रियाएँ विभाजित हैंः अमेरिका और इजराइल इसे सुरक्षा और रणनीतिक जीत के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि रूस, चीन और कई अन्य देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। यूरोपीय और मध्य पूर्वी देशों ने संघर्ष के विस्तार को रोकने और कूटनीति को प्राथमिकता देने की वकालत की है। इसने वैश्विक राजनीति में नई जटिलताओं को जन्म दिया है और आगामी दिनों में इसका असर विश्व सुरक्षा, तेल बाजार और क्षेत्रीय संतुलन पर गहरा पड़ेगा।

जीवन का उत्सव है होली

डॉ. आशीष वशिष्ठ (हि.स)

रंगों का त्योहार होली भारत और दुनिया भर में भारतीय समुदायों के बीच सबसे जीवंत और आनंदमय उत्सवों में से एक है। परंपरागत रूप से वसंत ऋतु के आगमन और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होली, हंसी, एकता और रंगों का उत्सव है। हालांकि इसकी जड़ें उत्तर भारत में गहरी हैं लेकिन अब यह त्योहार पूरे भारत में दक्षिण भारत सहित और विश्व स्तर पर जहां भी भारतीय संस्कृति फल-फूल रही है, वहां मनाया जाता है।

होली का महत्व पौराणिक कथाओं में गहराई से जुड़ा हुआ है और विभिन्न कथाएं इसकी समृद्ध परंपरा का हिस्सा हैं। ऐसी ही एक कथा प्रह्लाद और होलिका की कहानी है, जो अत्याचार और छल पर भक्ति और धर्म की विजय का प्रतीक है। एक अन्य कथा राधा-कृष्ण के दिव्य प्रेम का गुणगान करती है, जिनके रंगों से भरे खेल इस त्योहार का पर्याय बन गए हैं।

होली की तरह इसकी परम्पराएं भी अत्यंत प्राचीन हैं और इसका स्वरूप और उद्देश्य समय के साथ बदलता रहा है। प्राचीन काल में यह विवाहित महिलाओं द्वारा परिवार की सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता था और पूर्ण चंद्र की पूजा करने की परम्परा थी। वैदिक काल में इस पर्व को नवात्रैष्टि यज्ञ कहा जाता था। उस समय खेत के अधपके अन्न को यज्ञ में दान कर प्रसाद लेने का विधान था। अन्न को होला कहते हैं, इसी से इसका नाम होलिकोत्सव पड़ा। भारतीय ज्योतिष के अनुसार चैत्र शुदी प्रतिपदा के दिन से नववर्ष का भी आरम्भ माना जाता है। इस उत्सव के बाद ही चैत्र महीने का आरम्भ होता है। अतः यह पर्व नवसंवत का आरम्भ तथा वसंतागमन का प्रतीक भी है। इसी दिन प्रथम पुरुष मनु का जन्म हुआ था, इस कारण इसे मन्वादितिथि कहते हैं।

होली नवजीवन, समृद्धि और पुरानी बातों को भुलाने का प्रतीक है- चाहे वह बीते मौसम को त्यागना हो, पुरानी शिकायतों को दूर करना हो या नकारात्मकता को। भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित होलिका और प्रह्लाद की कहानी अहंकार और बुराई पर आस्था और अच्छाई की विजय का प्रतीक है। होली की पूर्व संध्या पर किया जाने वाला होलिका दहन का अनुष्ठान अतीत को जलाकर नई शुरूआत का स्वागत करता है। यह रंगोत्सव हमारे पूर्वजों की दूरदर्शिता है जो अनेक विषमताओं के बीच भी समाज में एकत्व का संचार करता है।

होली के उत्सव में रंगों का विशेष महत्व है क्योंकि यह उत्सव को गहराई और अर्थ प्रदान करता है। प्रत्येक रंग का अपना विशेष प्रतीक होता है जो जीवन, प्रकृति और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। रंगों को एक-दूसरे पर उछालना बाधाओं को तोड़ने, बुराई पर अच्छाई की विजय और लोगों के बीच एकता, समानता और आनंद को बढ़ावा देने का प्रतीक है।

होली पहले मोदुगा (ब्यूटिया मोनोस्पर्मा), गेंदा, गुड़हल, टेसू, हल्दी, नीम, चुकंदर और नील जैसे फूलों से प्राप्त प्राकृतिक रंगों से खेली जाती थी। हालांकि, आधुनिकीकरण के कारण इन प्राकृतिक रंगों की जगह कृत्रिम रासायनिक रंगों ने ले ली। हानिकारक विषाक्त पदार्थ, भारी धातुएं और औद्योगिक रंग जो त्वचा की एलर्जी, श्वसन संबंधी समस्याएं और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। जल निकायों और मिट्टी का प्रदूषण, जो त्योहार के बाद भी लंबे समय तक पर्यावरण को प्रभावित करता है। होली की खुशी स्वास्थ्य और स्थिरता की कीमत पर नहीं मिलनी चाहिए। सौभाग्य से प्राकृतिक रंगों का पुनरुद्धार हो रहा है। अब अधिक लोग पौधों से बने और पर्यावरण के अनुकूल होली के पाउडर को अपना रहे हैं और प्राकृतिक रंगों की सुंदरता को फिर से तलाश रहे हैं।

उत्सव के बीच मीठे पकवानों की खुशबू हवा में घुल जाती है, जिससे त्योहार में एक अलग ही रंग भर जाता है। पारंपरिक मिठाइयां और नमकीन बड़े प्यार और देखभाल से तैयार किए जाते हैं, जो होली की उदारता और आतिथ्य सत्कार की भावना का प्रतीक हैं। सबसे लोकप्रिय पकवानों में खोया और मेवों से भरी गुजिया और ठंडाई शामिल हैं। ठंडई मसालों से भरपूर और भांग से सुगंधित ताजा पेय है। ये स्वादिष्ट पकवान दोस्तों और पड़ोसियों के साथ बांटे जाते हैं, जिससे समुदाय और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है।

इन मिठाइयों और व्यंजनों का स्वाद तो लाजवाब है ही, इनका गहरा सांस्कृतिक महत्व भी है, जो जीवन की मिठास और समृद्धि की खुशी का प्रतीक हैं। ये बचपन और पारिवारिक समारोहों की यादें ताजा कर देते हैं, जहां हंसी और प्यार उम्र और पृष्ठभूमि की सीमाओं को पार करते हुए खुलकर बहते थे। होली के रंग जब आनंद और उल्लास फैलाते हैं तो वे भारतीय संस्कृति की जीवंतता और विविधता के लिए सशक्त प्रतीक बन जाते हैं। रंगों की इस बहुरंगी छटा के माध्यम से होली उन परंपराओं, भाषाओं और रीति-रिवाजों की विविधता को दर्शाती है जो भारतीय समाज का ताना-बाना बुनती हैं। यह जीवन का उत्सव है, उस अटूट दृढ़ता और नवीनीकरण की भावना का प्रमाण है जो हम सभी को एकजुट करती है।

होली अपने प्रतीकात्मक महत्व और रीति-रिवाजों से परे समावेशिता और क्षमा की भावना का प्रतीक है, जो लोगों को मतभेदों को भुलाकर उस साझा मानवता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है जो हम सभी को एक साथ बांधती है। यह प्रेम और करुणा की शक्ति की याद दिलाती है जो कठिनाइयों पर विजय पाने और मित्रता और समझ के बंधन को मजबूत करने में सहायक होती है।

होली के उपलक्ष्य में अनेक सांस्कृतिक एवं लोक चेतना से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। महानगरीय संस्कृति में होली मिलन के आयोजनों ने होली को एक नया उल्लास एवं उमंग का रूप दिया है। इन आयोजनों में बहुत शालीन तरीके से गाने-बजाने के सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। चंदन का तिलक और ठंडाई के साथ सामूहिक भोज इस त्यौहार को गरिमामय छवि प्रदान करते हैं। देर रात तक चंग की धुंकार, घूमर, डांडिया नृत्य और विभिन्न क्षेत्रों की गायन मंडलियां अपने प्रदर्शन से रात बढ़ने के साथ-साथ मस्ती और खुशी को बढ़ाते हैं।

देश की सीमाओं से परे होली ने बहु संस्कृतिवाद और वैश्विक एकजुटता के प्रतीक के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे महत्वपूर्ण भारतीय प्रवासी समुदायों वाले देशों में होली का उत्सव सांस्कृतिक कैलेंडर का अभिन्न अंग बन गया है, जो सभी राष्ट्रीयताओं और पृष्ठभूमियों के लोगों को आकर्षित करता है। ये उत्सव अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संवाद के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और परंपराओं की समझ और सराहना को बढ़ावा मिलता है।

होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है बल्कि जीवन का ही उत्सव है- यह मानवीय भावना के लचीलेपन और प्रेम, क्षमा और नवीनीकरण की स्थायी शक्ति का प्रमाण है। होली के पावन पर्व पर हमें इस बात के लिए दृढ़ संकल्पित होना होगा कि अपने मन, वाणी और व्यवहार में अंतर्निहित आसुरी प्रवृत्तियों का परिष्कार करें एवं उसके स्थान पर पवित्रता की देवी को प्रतिष्ठित करें। हमें ऐसी सद्इच्छा करनी चाहिए होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ायें दुःख, चिंताएं, द्वेष-भाव, मतभेद और मनभेद आदि भस्म हो जाएं तथा हम सबके जीवन में प्रेम, प्रसन्नता, समानता, स्वतंत्रता, समरसता, हर्षोल्लास तथा आनंद के रंग भर जाएं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज व्यापार में विस्तार की संभावनाएँ प्रबल हैं और आप अतिरिक्त पूंजी लगाने का निर्णय ले सकते हैं। बेहतर परिणाम के लिए लक्ष्य पर पूरी एकाग्रता बनाए रखें। दिनचर्या में बदलाव करने की योजना बनेगी, जिसे अपनाने में प्रारंभिक मेहनत करनी पड़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: वैवाहिक जीवन में भरोसे की कमी न आने दें, संवाद बनाए रखना जरूरी होगा। आज नए प्रोजेक्ट या काम की शुरूआत टालना बेहतर रहेगा। ऑफिस में प्रभाव कुछ कम महसूस हो सकता है। कानूनी मामलों में सतर्क रहें। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: कार्यक्षेत्र में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा और टीम आपके विचारों पर निर्णय ले सकती है। घर में मेहमानों के आगमन से रौनक बढ़ेगी। व्यापार में नए समझौते लाभदायक साबित हो सकते हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: योजनाएं समय पर पूरी होंगी और मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। कारोबार में नए प्रयोग लाभकारी रहेंगे। प्रेम-विवाह के मामलों में परिवार की सहमति मिल सकती है। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आपका सौम्य व्यवहार व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करेगा। अव्यावहारिक निर्णयों से बचना जरूरी है। पेट से जुड़ी समस्या परेशान कर सकती है, खानपान संतुलित रखें। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी। आध्यात्मिक विषयों में रुचि रखने वाले लोग साधना या ध्यान पर विचार कर सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: संपत्ति विवाद सुलझने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। विरोधी सक्रिय रहेंगे, लेकिन सहयोगियों का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें, खासकर श्वसन संबंधी समस्या हो तो चिकित्सक से मिलें। फार्मा या दवा व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए दिन लाभकारी है। *(सिटी दर्पण)*

तुला: नया वाहन खरीदने का विचार साकार हो सकता है। सामाजिक गतिविधियों से लोकप्रियता बढ़ेगी। धैर्य से समस्याओं का समाधान खोजें। भोग-विलास की ओर आकर्षण बढ़ सकता है। स्वादिष्ट भोजन और आरामदायक जीवनशैली का आनंद मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: वैवाहिक जीवन में रोमांस बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ खुलकर बातचीत करें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने मित्रों से मुलाकात संभव है। व्यापार में साझेदारों से आर्थिक लाभ मिल सकता है। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन उपयोगी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

धनु: दिन की शुरूआत सुस्त रह सकती है। थकान और ऊर्जा की कमी महसूस होगी। मानसिक असंतुलन से बचने के लिए योग और प्राणायाम अपनाएं। गलतफहमी के कारण निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। कार्यभार बढ़ने से तनाव संभव है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: जीवनसाथी के साथ व्यवहार में मधुरता रखें। व्यापार में चुनौतियाँ सामने आ सकती हैं। नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को धैर्य रखना होगा। खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है। आर्थिक लेन-देन में सावधानी बरतें और आज बड़े फैसले टाल दें। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: सामाजिक कार्यक्रमों में अनिच्छा के बावजूद शामिल होना पड़ सकता है। बजट संतुलित रखें और अनावश्यक खर्च से बचें। बेरोजगारों को नौकरी का अवसर मिल सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से बहस से बचें। सोशल मीडिया के माध्यम से नए संपर्क बन सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

मीन: आपके उदार स्वभाव की सराहना होगी। युवा वर्ग प्रेम प्रस्ताव रख सकता है। कार्यस्थल पर सम्मान और आर्थिक लाभ दोनों प्राप्त होंगे। मन प्रसन्न रहेगा। दांपत्य जीवन में रोमांस और घर में सुखद वातावरण बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता: वस्त्र उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक व्यापारिक उपलब्धि

गिरिराज सिंह

भारत ने वैश्विक मंच पर ऐसा कदम रखा है, जिसे दुनिया अनदेखा नहीं कर सकी। 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) औपचारिक रूप से पूरा हुआ। यह एक ऐतिहासिक पल था, जिस पर दशकों से काम हो रहा था। यह समझौता दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत आर्थिक नेतृत्व का परिणाम है।

भारत और यूरोपीय संघ मिलकर दुनिया की चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। जब इन दोनों बड़े आर्थिक भागीदारों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया, तो यह केवल एक और व्यापार समझौता नहीं रहा, बल्कि अपने आकार और रणनीतिक महत्व के कारण यह एक बेहद बड़ा और ऐतिहासिक समझौता बन गया।

भारत-ईयू एफटीए तक की यह यात्रा शासन के तरीके में साफ अंतर दिखाती है। वर्ष 2014 से पहले भारत को केवल 19 देशों में व्यापार की पहुंच थी, जबकि आज यह संख्या 56 देशों तक पहुंच गई है। केवल भारत-ईयू एफटीए से ही 27 बड़े और महत्वपूर्ण बाजारों तक पहुंच खुली है। यह स्पष्ट, परिणाम आधारित और मजबूत शासन का प्रतीक है।

आज वैश्विक वस्त्र और परिधान बाजार का आकार 1.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है। यह दुनिया भर में बढ़ती मांग और तेज बदलाव को दिखाता है। दुनिया का कुल आयात वर्ष 2001 में 366.8 अरब डॉलर था, जो बढ़कर 2024 में लगभग 800 अरब डॉलर हो गया है। इससे साफ है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है।

इसी वैश्विक माहौल में भारत ने भी अपनी स्थिति लगातार मजबूत की है। भारत का कुल टेक्सटाइल निर्यात लगभग 10 अरब डॉलर से बढ़कर करीब 40 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इससे वैश्विक व्यापार में भारत की भागीदारी काफी मजबूत हुई है।

देश के भीतर भी टेक्सटाइल क्षेत्र में तेज बढ़त देखी जा रही है। भारत का घरेलू टेक्सटाइल बाजार 138 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में लगभग 190 अरब डॉलर हो गया है। इसका मुख्य कारण उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग और लोगों की बढ़ती खरीद क्षमता है। यह वृद्धि कई नीतिगत सुधारों और सरकारी पहलों से संभव हुई है, जिनसे उत्पादन व्यवस्था को आधुनिक बनाया गया, सप्लाई और वैल्यू चेन को मजबूत किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा की क्षमता बढ़ी।

इसी पृष्ठभूमि में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते का महत्व बहुत ऐतिहासिक बन जाता है। यह समझौता यूरोपीय यूनियन के पूरे बाजार तक भारत की पहुंच खोलता है, जहां लगभग 2 अरब उपभोक्ता हैं और कुल बाजार का आकार करीब 24 ट्रिलियन डॉलर है।

इस समझौते के तहत मूल्य के हिसाब से भारत के 99 प्रतिशत से अधिक निर्यात को विशेष (प्राथमिक) व्यापार सुविधा मिलेगी। साथ ही लगभग 33 अरब डॉलर के सामान पर लगने वाले 10 से 12 प्रतिशत तक के शुल्क (टैरिफ) खत्म हो जाएंगे। इससे दुनिया के सबसे प्रीमियम बाजारों में भारत के उत्पाद और अधिक सस्ते व प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

पिछले दो वर्षों में हमने जीडीपी, मांग के रुझान, जनसंख्या और प्रति व्यक्ति आय जैसे आँकड़ों के आधार पर एक नई बाजार विविधीकरण (मार्केट डाइवर्सिफिकेशन) रणनीति तैयार की और उसे आगे बढ़ाया।

अब इस रणनीति के साफ नतीजे दिखने लगे हैं। वर्ष 2025 में, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत के टेक्सटाइल निर्यात ने 100 से अधिक देशों में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। इससे दुनिया में भारत की मौजूदगी और मजबूत हुई है।

इस लक्षित रणनीति के तहत निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। अर्जेंटीना में 77 प्रतिशत, पराग्वे में 45 प्रतिशत और इजिप्ट में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से रेडीमेड कपड़ों के कारण हुई है। इसके पीछे पिछले दस वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता का लगातार विस्तार रहा है।

बीते दस सालों में भारत के उत्पादन तंत्र में 2 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें जोड़ी गई हैं। इससे उत्पादन बढ़ा है, काम की उत्पादकता बेहतर हुई है और रोजगार के नए अवसर बने हैं। इस विस्तार को मजबूत नीतिगत समर्थन भी मिल रहा है। केंद्रीय बजट 2026झ27 में टेक्सटाइल क्षेत्र को भारत की विकास रणनीति के केंद्र में रखा गया है। इसके तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क, एकीकृत वैल्यू चेन, टिकाऊ उत्पादन से जुड़ी पहल और 'समर्थ 2.0' के तहत कौशल विकास पर जोर दिया गया है।

इसके साथ ही, प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में टेक्सटाइल निर्यात सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे। ये केंद्र एक ही मंच पर निर्यातकों को बाजार से जुड़ी जानकारी, एफटीए से संबंधित मार्गदर्शन, नियमों में सहायता और शुरूआत से अंत तक पूरी सुविधा उपलब्ध कराएंगे।

2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात के लक्ष्य के साथ, भारत की टेक्सटाइल रणनीति बड़े पैमाने, तेज रफ्तार और वैश्विक सोच को दिखाती है।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता इस गति को और मजबूत करता है। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक साझेदारी है, जिसके तहत भारत और यूरोपीय यूनियन के बीच कुल व्यापार और सहयोग को 2030 तक 179 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। आज भारत सिर्फ वैश्विक व्यापार का हिस्सा नहीं है, बल्कि उसे दिशा देने वाला देश बन रहा है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार उनके निजी हैं।)

होली: रंग, संस्कृति और जीवन दर्शन का उत्सव

उदय कुमार सिंह (हि.स)

भारत विविधताओं, परंपराओं और उत्सवों का देश है। यहां मनाए जाने वाले प्रत्येक पर्व का अपना सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक महत्व है। इन्हीं पर्वों में होली का विशेष स्थान है। रंगों, उमंगों और प्रेम का संदेश देने वाला यह त्योहार केवल एक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। होली प्रकृति, संस्कृति और मानवीय भावनाओं का अद्भुत संगम है, जो समाज में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

भारतीय सनातन संस्कृति में प्रत्येक पर्व उत्सव के साथ-साथ आध्यात्मिक संदेश और जीवन दर्शन का प्रतीक होता है। उन्हीं पावन पर्वों में से एक है होली, जो रंगों, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम माना गया है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल बाहरी रंगों का उत्सव नहीं बल्कि अंतर्मन को प्रेम, करुणा और सद्भाव से रंगने का अवसर है।

रंगों का त्योहार

होली का नाम लेते ही मन में रंगों की फुहार, हंसी-ठिठोली और उल्लास का वातावरण सजीव हो उठता है। होली जीवन के उत्साह और आनंद का प्रतीक है। यह पर्व मनुष्य के भीतर छिपी प्रसन्नता को बाहर लाने का अवसर प्रदान करता है। यह केवल रंगों का त्योहार नहीं बल्कि भावनाओं का उत्सव है। फाग गीतों की मधुरता, ढोल-मंजीरों की थाप, मित्रों और परिजनों की हंसी तथा अबीर-गुलाल की रंगत इस पर्व को विशेष बनाती है। प्रकृति भी मानो इस उत्सव में सहभागी बन जाती है। आम के पेड़ों पर आई बौर, भंवरों की गूंज, खिले हुए फूल और कोयल की मधुर कूक वातावरण को आनंदमय बना देती है।

इसबार होली कब है ?

इस साल 3 मार्च को चंद्रग्रहण लगने जा रहा है। इसलिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि रंग कब खेला जाएगा ? ज्योतिष के अनुसार, चंद्रग्रहण लगने के नौ घंटे पहले से सूतक काल प्रारंभ हो जाता है। सूतक काल में किसी भी तरह के धार्मिक उत्सव मनाने से परहेज किया जाता है। ऐसे में होली 4 मार्च 2026 को मनाया जाएगा। अगर शास्त्र सम्मत विधि की बात की जाए तो ग्रहण के समापन के उपरांत रंग खेल सकते हैं इसलिए धुलंडी (रंगों की होली) 4 मार्च को ही खेली जाएगी।

चंद्रग्रहण का समय

पंचांग के अनुसार, इस बार होली के साथ चंद्रग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में दृश्यमान रहेगा। इसलिए सम्पूर्ण भारत में ग्रहण का सूतक काल भी लागू रहेगा। भारतीय समयानुसार, चंद्रग्रहण 3 मार्च को दोपहर में 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा, जिसका समापन शाम 6 बजकर 47 मिनट पर होगा। अगर कुल अवधि की बात की जाए तो इस बार का चंद्रग्रहण 3 घंटे 27 मिनट तक दिखेगा।

ऋतु से होली का संबंध

होली का सीधा संबंध ऋतुओं के राजा बसंत से है। बसंत ऋतु प्रकृति के नवजीवन का प्रतीक मानी जाती है। पतझड़ के बाद जब वृक्षों पर नई कोपलें फूटती हैं, खेतों में सरसों पीली चादर ओढ़ लेती है और वातावरण सुगंधित हो उठता है, तब होली का आगमन होता है।

बसंत प्रेम, नवचेतना और उल्लास का संदेश लेकर आता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी ऋतु में भगवान श्रीराम का माता सीता से प्रथम मिलन हुआ था। भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों संग रास रचाकर प्रेम और आनंद का संदेश दिया। महाशिवरात्रि का पावन पर्व भी इसी काल में आता है, जो भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन की स्मृति से जुड़ा है। इस प्रकार होली केवल सामाजिक नहीं, बल्कि धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

होली का संदेश

होली बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक पर्व है। होलिका दहन की परंपरा हमें यह सिखाती है कि अहंकार, अन्याय और अधर्म का अंत निश्चित है। पौराणिक कथा के अनुसार, भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति के सामने अत्याचारी हिरण्यकश्यप और होलिका का अहंकार नष्ट हो गया। इसलिए होलिका दहन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन की नकारात्मकताओं को त्यागने का प्रतीक है।

यह पर्व नवसंवत्सर के स्वागत की भी तैयारी है। होली हमें मन की कलुषता, ईर्ष्या, द्वेष और वैमनस्य को त्याग कर नए उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ जीवन की नई शुरूआत करने का संदेश देती है। होली मिलन कार्यक्रम सामाजिक समरसता और आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देते हैं।

होली और रंगों की परंपरा

होली रंगों का त्योहार है और रंग जीवन के विविध भावों के प्रतीक हैं। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का, पीला रंग खुशहाली का, हरा रंग समृद्धि का तथा नीला रंग शांति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है।

होली के दिन बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी रंगों में सराबोर हो जाते हैं। गलियों, मोहल्लों, गांवों और शहरों में उत्साह का वातावरण दिखाई देता है। हाथों में पिचकारियां, चेहरे पर मुस्कान और दिलों में अपनापन-यही होली की असली पहचान है। इस दिन सामाजिक भेदभाव समाप्त हो जाते हैं और सभी लोग एक समान होकर उत्सव मनाते हैं। 'बुरा न मानो होली है' केवल एक वाक्य नहीं बल्कि जीवन को सहजता और प्रसन्नता से जीने का संदेश है। यह पर्व हमें क्षमा, अपनापन और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा देता है।

होली की सामाजिक और सांस्कृतिक महत्ता

होली आपसी प्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। यह पर्व रिश्तों में आई दूरियों को मिटाने का अवसर प्रदान करता है। लोग पुराने गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं और शुभकामनाएं देते हैं। परंपरा के

अनुसार, होली के दिन लोग मित्रों और रिश्तेदारों के घर जाकर अबीर-गुलाल लगाते हैं, बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हैं और बच्चों को स्नेह प्रदान करते हैं। मिठाइयों और पकवानों का आदान-प्रदान सामाजिक संबंधों को और मजबूत बनाता है।

आज के व्यस्त जीवन में जहां लोगों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, वहां होली जैसे पर्व समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन का वास्तविक आनंद प्रेम, सहयोग और सद्भाव में ही निहित है।

प्रह्लाद की अटूट भक्ति

होली का मूल संबंध भक्त प्रह्लाद और उनके पिता हिरण्यकशिपु की कथा से जुड़ा है। हिरण्यकशिपु असुरराज था, जिसने अपने अहंकार में स्वयं को ईश्वर घोषित कर दिया था। किंतु उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का अनन्य भक्त था। अनेक यातनाएं देने के बावजूद प्रह्लाद की भक्ति अडिग रही। अंततः हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। किन्तु दैवीय न्याय देखिए, होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित रहे। इसी स्मृति में होलिका दहन किया जाता है। यह दहन केवल लकड़ियों, गोबर के उपलों और बल्लों का नहीं बल्कि अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या और पाप प्रवृत्तियों का होता है।

रंगों की होली

होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों की होली खेली जाती है। यह दिन सामाजिक समरसता और आपसी प्रेम का प्रतीक है। छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, जाति-पंथ के भेद मिटाकर सभी एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। सनातन परंपरा में ब्रजभूमि में इस त्यौहार का विशेष महत्व है। वृंदावन और बरसाना की लठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इस त्यौहार राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं की स्मृति है, जो ब्रज जी गलियों सहित पूरे भारत में आज भी जीवंत है।

होली मनाने की परंपराएं

होली भारत के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरीकों से मनाई जाती है। होली मानने की कुछ परंपराओं में ब्रज की लठमार होली (बरसाना और नंदगांव) शामिल है। ब्रज की लठमार होली दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां पर खेली जाने वाली होली भगवान कृष्ण व राधा के प्रेम का प्रतीक मानी जाती है। मान्यता है कि कृष्ण अपने सखाओं के साथ बरसाना होली खेलने जाते थे और राधा व उनकी सखियां उन्हें लाठियों से रोकती थीं। इसलिए आज भी यह होली खेली जाती है, जिसमें महिलाएं पुरुषों को डंडों से पीटती हैं। पुरुष खुद को ढाल से बचाते हैं। यह पूरी होली हंसी-मजाक और गीतों के साथ होती है।

फूलों की होली (वृंदावन, उत्तर प्रदेश): फूलों की होली वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में एकादशी के दिन मनाई जाती है। यहां रंगों या गुलाल की जगह ताजे फूलों की पंखुड़ियों का उपयोग किया जाता है। मंदिर के पुजारी भक्तों पर फूल बरसाते हैं। भक्त भगवान पर फूल और गुलाल उड़ाते हैं।

धुलंडी और डोलची होली (राजस्थान): यह मुख्य रूप से राजस्थान के जयपुर, उदयपुर और कोटा जैसे शहरों के आस पास के क्षेत्र में मनाई जाती है। इस दिन लोग एक-दूसरे को अबीर-गुलाल और पानी वाले रंगों से सराबोर कर देते हैं। टोलियां बनाकर ढोल-नगाड़ों के साथ शहर या गांव की गलियों में निकलते हैं और ह्नहोली हैह्न का शोर मचाते हैं। साथ ही मारवाड़ क्षेत्र में पारंपरिक कपड़े पहनकर ढोल-नगाड़ों के साथ नृत्य करते हैं। बीकानेर की डोलची होली में डोलची भरकर एक दूसरे के ऊपर पानी डालते हैं।

होला मोहल्ला (पंजाब): यह पंजाब में खेली जाने वाली होली है जिसे सिख समुदाय वीरता के प्रतीक के रूप में मनाता है। इसकी शुरूआत गुरु गोविंद सिंह जी ने की थी ताकि सिखों में सैन्य कौशल और वीरता का विकास हो सके। आनंदपुर साहिब में लगने वाले इस मेले में निहंग सिख घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कला का प्रदर्शन करते हैं।

रंगपंचमी (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश): रंगपंचमी विशेष तौर पर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में मनाई जाती है। मध्य परदेश के मालवा क्षेत्र में इस दिन बड़े आयोजन होते हैं। इंदौर के राजवाड़ा में निकालने वाली रंगपंचमी 'गेर' विश्व प्रसिद्ध है। रंग पंचमी के दिन सड़कों पर पानी की बौछारें की जाती हैं और लोग रंगों में डूब जाते हैं।

बैठकी और खड़ी होली (कुमाऊं, उत्तराखंड): इसे 'बैगवाल' या कुमाऊंनी होली के नाम से भी जाना जाता है, जो मुख्य तौर से उत्तराखंड के कुमाऊं में मनाई जाती है। इस होली में संगीत का विशेष महत्व है। यहां होली केवल एक दिन का पर्व नहीं बल्कि महीनों चलने वाला संगीत का उत्सव है। लोग घरों में जमा होकर पहाड़ी होली गीत गाते हैं। साथ ही ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा पहनकर घेरा बनाकर नृत्य करते हुए गीत गाते हैं।

होली रंगों के पर्व के साथ पकवानों और मिठाई का भी त्यौहार है। इस पर्व में हर घर में तरह-तरह की मिठाइयां और पकवान बनाए जाते हैं। आइए जानते हैं इस त्यौहार पर बनाएं जाने वाले कुछ खास पकवानों के बारे में।

गुझियाः गुझिया एक खास पकवान है, जिसके बिना इस त्यौहार का पर्व अधूरा-सा रहता है। यह पकवान भारतवर्ष के लगभग हर घर में बनाया जाता है और लोग होली के रंगों के साथ गुझिया खाना व खिलाना खूब पसंद करते हैं।

दही बड़ेः दही बड़े भी इस त्यौहार का एक खास पकवान है जिसके बिना होली अधूरी-सी लगती है। इस त्यौहार पर यह पकवान खास तौर पर ब्रज के घरों में अवश्य बनाया जाता है।

गुलाब जामुनः गुलाब जामुन एक प्रसिद्ध भारतीय मिठाई है, जिसके बिना उत्सव का रंग ही फीका पड़ जाता है इसलिए हर घर में इस त्यौहार के उत्सव में इस मिठाई को जरूर शामिल किया जाता है। घर वाले खुद भी इस मिठाई को बड़े चाव के साथ खाते हैं और होली मिलन के लिए आए मेहमानों को भी गुलाब जामुन जरूर खिलाते हैं। इन मिठाई और पकवानों के अलावा घरों में गाठिये, नमकीन पूड़ियां और मालपुए भी इस त्यौहार का जायका बढ़ाते हैं।

आज के समय में होली मनाते हुए हमें पर्यावरण का भी ध्यान रखना चाहिए। रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक और हर्बल रंगों का उपयोग करना चाहिए। जल की बचत करें और इस त्यौहार को सात्विक, मर्यादित तथा आनंदमय बनाएं।

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और प्रेम का पर्व है। जीवन में परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि हमारे हृदय में भक्ति और सत्य का प्रकाश है, तो कोई भी होलिका हमें जला नहीं सकती। इस पावन अवसर पर अपने भीतर की दुर्भावनाओं को होलिका में अर्पित करें और प्रेम, क्षमा तथा सद्भाव के रंगों से अपने जीवन को आलोकित करें।

होली केवल रंग खेलने का पर्व नहीं बल्कि जीवन को रंगीन बनाने का संदेश है। यह मन की नीरसता को दूर कर आशा, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। होली हमें सिखाती है कि जीवन में प्रेम के रंग सबसे महत्वपूर्ण हैं। आइए, इस होली पर हम केवल शरीर ही नहीं बल्कि अपने मन और विचारों को भी प्रेम, सद्भाव और खुशियों के रंगों से रंगें तथा समाज में भाईचारे और मानवता का संदेश फैलाएं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

मान सरकार ने नौकरी मांगने वालों को नौकरी देने वालों में बदला; चंडीगढ़ में पहले 2-दिवसीय विद्यार्थी उद्यमी कैंप की शुरुआत

यज्ञांश शर्मा
चंडीगढ़

- भगवंत मान सरकार के उद्यमिता मानसिकता/व्यावसायिक पाठ्यक्रम के तहत, विद्यार्थी पहले से ही उद्यमिता का अध्ययन कर रहे हैं और सक्रिय रूप से व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं, जिनमें से कई आय अर्जित कर रहे हैं और कई मजबूत विकास की संभावनाएं प्रस्तुत कर रहे हैं
- छोटे स्तर पर मशरूम की खेती से लेकर डिजिटल सेवा उद्यमों तक, सरकारी आईटीआई और पॉलिटेक्निक के युवा उद्यमी पंजाब में नई उद्यमिता लहर को उजागर कर रहे हैं
- भगवंत मान सरकार ने युवा उद्यमियों को बिजनेस मॉडलिंग, गो-टू-मार्केट रणनीति, यूनिट इकॉनॉमिक्स और उद्यम प्रमाणीकरण में संरचित प्रशिक्षण देने के लिए सरकार ने इनोवेशन मिशन पंजाब और सफल स्टार्टअप उद्यमियों को एक मंच पर लाया
- त्रैमासिक श्रृंखला के रूप में पहली बार, पंजाब सरकार ने राज्यभर के सरकारी आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों से छात्र-नेतृत्व वाले उद्यमों की श्रृंखला तैयार की
- आईटीआई और पॉलिटेक्निक में 36,139 विद्यार्थी वास्तविक व्यावसायिक विचारों का कर रहे अध्ययन और सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं; विशेष बूटकैंप के लिए 40 वास्तविक उद्यमों की पहचान की गई

भगवंत मान सरकार ने राज्य के युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला बनाने वाले पारंपरिक शिक्षा मॉडल को बदलकर उन्हें योजनाबद्ध तरीके से रोजगार सृजनकर्ता बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।इसी दृष्टिकोण के तहत, पंजाब सरकार द्वारा राज्यभर के सरकारी आईटीआई और सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों से चयनित 40 उच्च संभावनाशील युवा उद्यमियों के लिए महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एमजीसीपा), चंडीगढ़ में पहला दो-दिवसीय आवासीय स्टूडेंट एंटरप्रेन्योरशिप बूटकैंप आयोजित किया गया।

यह केवल एक कार्यशाला नहीं, बल्कि एक त्रैमासिक श्रृंखला की शुरूआत है, जिसका उद्देश्य युवा-नेतृत्व वाले उद्यमों का निर्माण करना और यह सुनिश्चित करना है कि पंजाब में तकनीकी शिक्षा सीधे व्यापार वृद्धि, आय सृजन और स्थानीय रोजगार के अवसरों से जुड़ी हो।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 322 आईटीआई और 91 पॉलिटेक्निक संस्थानों में उद्यमिता मानसिकता/व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिनमें 137 सरकारी आईटीआई और 26 सरकारी पॉलिटेक्निक शामिल हैं।इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यार्थी केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावहारिक व्यावसायिक विचारों का विकास भी करें।

पंजाब भर में 36,139 विद्यार्थी (28,967 आईटीआई से और 7,172 पॉलिटेक्निक से) केवल सैद्धांतिक रूप से उद्यमिता का अध्ययन नहीं कर रहे, बल्कि एक संरचित डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यावसायिक विचारों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। वे वास्तविक ग्राहकों की समस्याओं की पहचान कर रहे हैं, उत्पाद एवं सेवाएं डिजाइन कर रहे हैं, विचारों का परीक्षण कर रहे हैं, प्रोटोटाइप बना रहे हैं, ग्राहकों तक पहुंच बना रहे हैं और राजस्व अर्जित कर रहे हैं।

पहले बूटकैंप के लिए 40 वास्तविक छात्र-नेतृत्व वाले उद्यमों का चयन किया गया है, जो खुदरा, पेशेवर सेवाएं, ई-कॉमर्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म, इंजीनियरिंग सेवाएं, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों से संबंधित हैं।

बूटकैंप के लिए चयनित 40 युवा उद्यमियों (20 सरकारी आईटीआई और 20 सरकारी पॉलिटेक्निक से) का चयन कोर्स पूर्णता, असाइनमेंट की गुणवत्ता, व्यावसायिक विचार की स्पष्टता, ग्राहक तक पहुंच के प्रयास, प्रोटोटाइप निर्माण, सेवा प्रदान करने और राजस्व सृजन के आधार पर किया गया। ये प्रतिभागी अमृतसर और गुरदासपुर से लेकर फिरोजपुर और फाजिल्का तक; लुधियाना और बठिंडा से रूपनगर और एस.ए.एस. नगर तक पूरे पंजाब का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

यह उल्लेखनीय है कि इस पहल से पहले ही आय सृजन शुरू हो चुका है। जहां कुछ उद्यम विचार या परीक्षण चरण में हैं, वहीं कई उद्यमी पेशेवर सेवाओं, खुदरा और उत्पाद-आधारित उद्यमों से प्रति माह 5,000 से 12,000 रुपये तक कमा रहे हैं। यह स्पष्ट व्यवहारिक परिवर्तन को दशार्ता है, जहां युवा प्रवेश-स्तर की नौकरियों की प्रतीक्षा करने के बजाय स्वयं रोजगार सृजित कर रहे हैं।

सरकारी आईटीआई मुक्तसर का एक युवा उद्यमी स्थानीय उपभोक्ताओं, दुकानों और रेस्टोरेंटों को सीधे आपूर्ति करने वाला छोटा मशरूम उत्पादन व्यवसाय चला रहा है। सरकारी आईटीआई बठिंडा का एक अन्य युवा उद्यमी जैविक स्किनकेयर पहल के तहत हाथ से बने साबुन और हर्बल हेयर ऑयल तैयार कर रहा है और इंस्टाग्राम तथा व्हाट्सऐप के माध्यम से उनका विपणन कर रहा है। सरकारी आईटीआई (महिला), एसएएस नगर (मोहाली) का एक कॉस्मेटोलॉजी विद्यार्थी नेल स्टूडियो चला रहा है, जिसकी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा रही है। सरकारी आईटीआई लुधियाना का एक रेफ्रिजरेशन एवं एयर-कंडीशनिंग विद्यार्थी जस्टडायल जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर एसी मरम्मत एवं रखरखाव सेवा चला रहा है। अन्य उद्यमों में ऑनलाइन ट्यूशन सेवाएं, डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन खुदरा, टेलरिंग और डिजिटल कंटेंट निर्माण शामिल हैं।

ये उदाहरण दशार्ते हैं कि किस प्रकार तकनीकी कौशलों को सीधे आजीविका के अवसरों में बदला जा रहा है।

दो दिवसीय आवासीय बूटकैंप इन उद्यमों को और मजबूत करेगा। पहले दिन बिजनेस मॉडल कैनवस के माध्यम से समस्या की पहचान, मूल्य प्रस्ताव, ग्राहक वर्ग, राजस्व स्रोत और लागत संरचना पर ध्यान केंद्रित किया गया। दूसरे दिन बाजार में प्रवेश रणनीति, ग्राहक अधिग्रहण, मार्केटिंग सामग्री (ब्रॉशर/पिच डेक) निर्माण तथा मूल्य निर्धारण और वित्तीय व्यवहार्यता पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन छात्र उद्यम प्रदर्शनी के साथ हुआ, जहां इन युवा उद्यमियों ने अपने उद्यम प्रस्तुत किए और संरचित प्रतिक्रिया प्राप्त की।

इनोवेशन मिशन पंजाब के माध्यम से इस बूटकैंप को संचालित किया गया और कार्यक्रम में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषज्ञता सुनिश्चित की गई। चार स्थापित उद्यमियों ने व्यापार की स्थापना, संचालन और विस्तार के संबंध में व्यावहारिक जानकारी साझा करने के लिए बातचीत करेंगे। इन भागीदारों में सीएस सॉफ्ट सालयुशन इंफोटेक से श्री छोटू शर्मा, विजन ए आई से श्री पुनीत जिंदल, डिजीवाह से श्री बिपनजीत सिंह और नेचकिन से श्रीमती मनपिंदर कौर शामिल हैं।

सरकारी आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में उद्यमिता को शामिल कर तथा युवाओं को कक्षा से बाहर मार्गदर्शन और अनुभव प्रदान कर, भगवंत मान सरकार पंजाब की शिक्षा प्रणाली में एक संरचनात्मक परिवर्तन सुनिश्चित कर रही है। तकनीकी शिक्षा अब केवल प्रमाणपत्रों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह व्यवसायिक स्वामित्व, आय सृजन और स्थानीय रोजगार निर्माण का माध्यम बन रही है।

यह पहल एक व्यापक नीति को दशार्ती है, जिसके तहत पंजाब के युवा सीमित नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के बजाय स्वयं और दूसरों के लिए अधिकतम नए रोजगार अवसर सृजित करेंगे।

डॉ. रवजोत सिंह ने मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के लिए विदेश मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कहा, भगवंत सिंह मान सरकार युद्ध के कारण खाड़ी देशों में फंसे सभी पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रतिबद्ध
- यूएई में फंसे पंजाबियों से बातचीत कर उन्हें पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया

एन.आर.आई. मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने युद्ध के कारण मध्य पूर्व में फंसे पंजाबियों को सुरक्षित वापस लाने के लिए केंद्रीय विदेश मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

केंद्रीय विदेश मंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध की स्थिति के मद्देनजर वहां फंसे पंजाबियों की सुरक्षित वापसी के संबंध में तत्काल बैठक करने का आग्रह किया।डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि मध्य पूर्व में उत्पन्न यह तनाव हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। स्थिति की नाजुकता को देखते हुए उन्होंने कहा कि वहां फंसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनकी सुरक्षित वापसी के लिए तत्काल समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने चल रहे युद्ध के कारण यूनाइटेड अरब एमिरेट्स के विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे पंजाब के पर्यटकों और निवासियों से टेलीफोन पर बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस गंभीर संकट की घड़ी में उन्हें आ रही कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार और मध्य पूर्व में स्थित भारतीय दूतावासों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा जा रहा है। डॉ. रवजोत सिंह ने फंसे हुए लोगों को आश्वस्त किया कि भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उनकी सुरक्षित पंजाब वापसी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

कुलतार सिंह संधवां ने ईरान-इजराइल टकराव के बीच अरब देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने हेतु प्रधानमंत्री से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स.कुलतार सिंह संधवां ने ईरान-इजराइल टकराव के दौरान दुबई हवाई अड्डे तथा विभिन्न अरब देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। वर्तमान परिस्थितियों के कारण अनेक भारतीय नागरिकों के कठिनाई में फंसे होने की रिपोर्टों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए स्पीकर ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार को उनकी सुरक्षित एवं सम्मानजनक वापसी सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। स.कुलतार सिंह संधवां ने इस मामले में प्रधानमंत्री के व्यक्तिगत हस्तक्षेप की अपील करते हुए आग्रह किया कि वे संबंधित मंत्रालयों और प्राधिकरणों को तुरंत निर्देश जारी करें, ताकि प्रभावित नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए विशेष उड़ानों की व्यवस्था सहित आवश्यक कूटनीतिक और प्रशासनिक कदम तत्काल उठाए जा सकें। उन्होंने बल देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे संकटपूर्ण हालात के दौरान त्वरित कार्रवाई अत्यंत आवश्यक होती है, ताकि कोई भी भारतीय नागरिक सहायता से वंचित न रहे।

शारजाह में फंसी पंजाब के एक कॉलेज की प्रधानाचार्य ने वापसी के लिए केंद्र से मदद मांगी

चंडीगढ़। पंजाब के एक कॉलेज की प्रधानाचार्य नीरू गर्ग के लिए दुबई की एक मनोरंजक यात्रा एक भयावह अनुभव में बदल गई, क्योंकि शहर पर ईरान के हमलों के कारण हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया।इससे वह अपने परिवार सहित शारजाह में फंस गईं, जहां उनके पास न तो नकद पैसा है और न ही आवश्यक दवाइयां। बठिंडा के एसएसडी गर्ल्स कॉलेज की प्रधानाचार्य गर्ग ने केंद्र सरकार से अपील की है कि उन्हें और अन्य भारतीय यात्रियों को निकालने में तत्काल सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, यह पांच दिन की यात्रा थी और यह सोचकर कि यह यात्रा का आखिरी दिन (शनिवार) था, हमने अमृतसर के लिए बुक किए गए इंडिगो के विमान से लौटने की तैयारी करते समय अपने सारे पैसे (दिरहम) भी खर्च कर दिए। उन्होंने और कुछ अन्य भारतीय यात्रियों ने भी दावा किया कि वे शारजाह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया, हमने सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं, लेकिन जब हम दोपहर 1:30 बजे सुरक्षा जांच के लिए आए तो उन्होंने हमें अपराह्न 2:30 बजे आने के लिए कहा। अपराह्न दो बजे उन्होंने हमें सूचित किया कि सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। गर्ग ने दावा किया कि जब उन्होंने हवाई अड्डे के अधिकारियों से पूछा कि उन्हें कहां ठहरना चाहिए, क्योंकि आवास की कोई व्यवस्था नहीं थी तो उन्हें कोई और जानकारी नहीं दी गई।

उन्होंने कहा, हम भारत सरकार से निवेदन करते हैं कि हमारी बात सुनें, क्योंकि कई यात्री फंसे हुए हैं और दहशत का माहौल है।लोगों को परेशान किया जा रहा है, कई लोग बीमार हैं, लेकिन यहां कोई हमारी बात नहीं सुन रहा है। शारजाह हवाई अड्डे पर मौजूद एक अन्य भारतीय यात्री ने बताया कि यात्रियों को निर्धारित उड़ान भरने से लगभग एक घंटे पहले उड़ान रद्द होने की सूचना दी गई थी।

संक्षिप्त-समाचार

होलिका दहन चौक नंबर एक में धूमधाम से मनाया जाएगा आज

जैतो। अग्रवाल समाज सभा जैतो के चेयरमैन प्रवीण जिंदल व अध्यक्ष सतपाल जिंदल ने कहा कि आम जनता को आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी की हर साल की तरह इस साल भी होली के पावन पवित्र त्यौहार के अवसर पर सोमवार 2 मार्च को चौक नम्बर 1 जैतो में सभी की मंगल कामना करते हुए होली पूजन सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। होली मंगलन (दहन) का समय सोमवार को शाम को 7 बजे है। उन्होंने कहा कि आप से आग्रह है कि कृपया आप सपरिवार व साथियों सहित सुबह 9.30 बजे होली पूजन और शाम को 7 बजे होली मंगलन (दहन) के शुभ अवसर पर शामिल हो । सूत्रों के अनुसार यह पर्व बुराई पर अच्छी की जीत का भी प्रतीक माना जाता है।शाम के समय लोग लकड़ियों व गोबर से बने उबलो के ढेर को जलाते हैं और उसकी परिक्रमा करते हैं जिस दौरान श्रद्धालु मुख्य रूप से जीवन में सुख समृद्धि, स्वास्थ्य, आर्थिक मजबूती की कामना करते हैं।माना जाता है कि एक नारियल होलिका की अग्नि में अपनी मनोकामनाएं को लेकर अर्पित करना अति शुभ होता है।

मंडल रेलवे अस्पताल में आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी की शुरूआत

जैतो। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा एतवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के नेतृत्व एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रंजना सहगल के मार्गदर्शन में मंडल रेलवे अस्पताल फिरोजपुर में आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी की सुविधा शुरू कर दी गई है। हाल ही में डॉ.अमित एवं उनके मेडिकल टीम द्वारा ब्रिज वर्कशॉप,जलंधर में कार्यरत एक कर्मचारी के घुटने की सफल आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी की गई। आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी में जोड़ को पूरा नहीं खोला जाता है। इसमें केवल लगभग एक-एक सेंटीमीटर के दो छोटे चीरे लगाए जाते हैं और आर्थ्रोस्कोप की सहायता से ऑपरेशन किया जाता है। इस तकनीक से मरीज को कम दर्द होता है और वह जल्द स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। यह उपलब्धि उल्लेखनीय है क्योंकि फिरोजपुर में इस प्रकार की सर्जरी की शुरूआत पहली बार मंडल रेलवे अस्पताल फिरोजपुर में की गई है।फिरोजपुर मंडल द्वारा भविष्य में भी रेलवे कर्मचारियों को आधुनिक और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टेरी द्वारा आयोजित वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट 2026 में दिग्गज नेताओं ने हिस्सा लिया

चंडीगढ़। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट (हरउ) 2026 का आखिरी दिन गहरे चिंतन और नए संकल्प के साथ शक्तिशाली स्वर में संपन्न हुआ। रिफ्लेक्शन, रिसर्जेस एंड रिजॉल्व फॉर अवर कॉमन फ्यूचर शीर्षक वाले समापन सत्र में सरकार, बहुपक्षीय संस्थानों, उद्योग और सिविल सोसाइटी के दिग्गज नेताओं ने हिस्सा लिया। प्रतिष्ठित दरबार हॉल में आयोजित इस सत्र ने साबित किया कि हरउ 2026 केवल वैश्विक आवाजों को जोड़ने वाला मंच ही नहीं है, बल्कि यह जमीनी स्तर पर ठोस जलवायु कार्रवाई को गति देने वाला माध्यम भी है। समापन सत्र में वक्ताओं के एक प्रतिष्ठित पैनल ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु कार्रवाई का अगला चरण जवाबदेही, क्रियान्वयन और विभिन्न पीढ़ियों के साझा नेतृत्व से तय होगा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के सचिव, श्री तन्मय कुमार ने कहा, जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ पर्यावरण की बहस का विषय नहीं रहा। यह विकास, शासन, सुरक्षा और मानव कल्याण की एक बड़ी चुनौती बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण विज्ञान पर आधारित और समानता को ध्यान में रखने वाला है। हम स्वच्छ ऊर्जा को आजीविका सुरक्षा से जोड़ रहे हैं, ग्रामीण और शहरी योजनाओं में लचीलापन शामिल कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उत्सर्जन के लिए ज़िम्मेदार लोग ही बदलाव का नेतृत्व करें। विकसित देशों ने पहले बड़े पैमाने पर उत्सर्जन के साथ औद्योगिकीकरण किया और बाद में सफाई की प्रक्रिया अपनाई। इसके विपरीत, भारत विकास, गरीबी उन्मूलन, शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और डीकार्बोनाइजेशन की जटिल प्रक्रिया को एक साथ साध रहा है। हम बीते कल की गरीबी मिटाने के लिए आने वाले कल का पर्यावरण संकट पैदा नहीं करना चाहते।

आईईएसए भारत सरकार और माइक्रॉन टेक्नोलॉजी को ऐतिहासिक उद्घाटन पर हार्दिक बधाई दी

चंडीगढ़। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) भारत सरकार और माइक्रोन टेक्नोलॉजी को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के साणंद में माइक्रोन की अत्याधुनिक एटीएमपी (असेंबली, टैस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) फैसिलिटी के ऐतिहासिक उद्घाटन पर बधाई दी। इस आयोजन में उपस्थित रहे, आईईएसए के प्रेसिडेंट श्री अशोक चांडक ने इस घटना को भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा कि यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी कि मैंने स्वयं इतिहास बनते हुए देखा। प्रधानमंत्री के तीन शब्दों ने सब कुछ कह दिया - भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है, और भारत काम करके दिखाता है - यह एक विश्व स्तरीय चिप ईकोसिस्टम बनाने में देश के भरोसे का एक शक्तिशाली ऐलान था। माइक्रोन के एटीएमपी प्लांट का चालू होना भारत की सेमीकंडक्टर नीति के इरादे को लागू करने और मैन्युफैक्चरिंग की तैयारी में सफलतापूर्वक बदलने का सबूत है। यह भारत सरकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन, गुजरात सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता और हमारी महत्वपूर्ण सदस्य कंपनी माइक्रोन के भारत की डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर भरोसे को दिखाता है। माइक्रोन का 22,516 करोड़ रुपये (लगभग 2.75 अरब यूएस डॉलर) का बड़ा निवेश, भारत में उनके डिजाइन सेंटर्स के अलावा, भारत के मैन्युफैक्चरिंग लैंडस्केप में किसी वैश्विक सेमीकंडक्टर लीडर के सबसे बड़े वायदों में से एक है। साणंद फैसिलिटी से लगभग 5,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और 15,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष रोजगार के मौके पैदा होने की उम्मीद है, जिससे कुशल सेमीकंडक्टर कार्यबल तैयार होगा।

ईटीओ ने केजरीवाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने नई दिल्ली में पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से भेंट की। मुलाकात के दौरान उन्होंने अरविंद केजरीवाल को फर्जी शराब घोटाले के मामले में बाइज्जत बरी होने पर हार्दिक बधाई दी।

गैंगस्टरों पर वार का 40वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 499 स्थानों पर छापेमारी; 179 काबू

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- पुलिस टीमों ने 80 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई, 113 को पूछताछ के बाद रिहा किया
- गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन 93946-93946 पर लोग गोपनीय रूप से दे सकते हैं सूचना
- युद्ध नशों के विरुद्ध के 365वें दिन 86 नशा तस्कर गिरफ्तार

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चल रही निर्णायक मुहिम गैंगस्टरों पर वार के 40वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 499 ठिकानों पर एक साथ विशेष छापेमारी अभियान चलाया।

उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों पर वार अभियान की शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव द्वारा की गई थी।इस अभियान का उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाना है।इस मुहिम के तहत एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार संयुक्त और समन्वित कार्रवाई कर रही हैं।

अभियान के 40वें दिन पुलिस ने 179 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 4 हथियार बरामद किए। अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 12,203 हो चुकी है।

इसके अतिरिक्त 80 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 113 व्यक्तियों को पूछताछ और जांच के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान 7 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया गया।

जनता गैंगस्टरों और वांछित अपराधियों के संबंध में एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गोपनीय रूप से सूचना दे सकती है। प्राप्त हर सूचना को पूर्ण गोपनीयता के साथ लिया जाएगा।

इस दौरान युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के 365वें दिन पुलिस ने 86 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 878 ग्राम हेरोइन, 105 किलोग्राम भुक्की, 523 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 3,720 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। पिछले 365 दिनों में कुल 51,734 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नशा मुक्ति और पुनर्वास अभियान के तहत आज 23 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और उपचार लेने के लिए प्रेरित किया गया।

पंजाब सरकार जन सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और निर्बाध सेवा सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का व्यापक उपयोग कर रही है पंजाब सरकार: अमन अरोड़ा

पंजाब को नागरिक-केंद्रित सुधारों के लिए मिला प्रतिष्ठित डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नागरिक-केंद्रित सुधारों के तहत पारदर्शिता, दक्षता और जन सेवाओं की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए तकनीक के प्रभावी उपयोग में अग्रणी पहलों के चलते पंजाब सरकार को टेक्नोलॉजी सभा 2026 के दौरान प्रतिष्ठित डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

पंजाब के सुशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के डायरेक्टर श्री विशेष सारंगल ने राज्य सरकार की ओर से यह पुरस्कार हैदराबाद में इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप द्वारा आयोजित टेक्नोलॉजी सभा 2026 के दौरान प्राप्त किया। इस समारोह में देशभर के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञों और नीति-निमार्ताओं ने भाग लिया।

इस पुरस्कार को राज्य के नागरिकों और विभागीय टीम को समर्पित करते हुए सुशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह सम्मान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पारदर्शी, पेपरलेस और जवाबदेह प्रशासनिक ढांचा स्थापित करने के प्रयासों का परिणाम है।

श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार राज्य सरकार के सुशासन और नागरिक-केंद्रित सुधारों के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विचौलिया संस्कृति को समाप्त करने और नागरिकों को उनके घर-द्वार पर सम्मानजनक एवं सहज सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि यह डिजिटल परिवर्तन केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था में जनता के विश्वास को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

उन्होंने राज्य सरकार की अभिनव डिजिटल पहलों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवंत मान सरकार आपके द्वार योजना के तहत नागरिक हेल्पलाइन नंबर 1076 पर कॉल कर-के घर बैठे 430 से अधिक सरकारी सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। अब नागरिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि पंजाब के सरपंचों, नंबरदारों और नगर काउंसिलरों (एमसी) को ऑनलाइन आवेदनों की सत्यापन प्रक्रिया के लिए अधिकृत किया गया है, जिससे आवश्यक प्रमाण-पत्रों के जारी होने की प्रक्रिया में उल्लेखनीय तेजी आई है और तकनीक को जमीनी नेतृत्व से जोड़ा गया है।

पटवारियों और फील्ड स्टाफ की सफल ऑनबोर्डिंग के बाद राज्य सरकार द्वारा 12.5 लाख से अधिक आवेदनों पर ऑनलाइन कार्रवाई की जा चुकी है। इस डिजिटल एकीकरण के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की दर मात्र 0.33 प्रतिशत रह गई है, जो सिस्टम की दक्षता को दशार्ती है।

इसके अतिरिक्त, एम-सेवा और कनेक्ट पंजाब एक एकीकृत मोबाइल प्लेटफॉर्म और मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली प्रदान करते हैं, जिससे नागरिक अपने आवेदनों की ट्रैकिंग कर सकते हैं और वास्तविक समय में फीडबैक दर्ज करा सकते हैं। इससे हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है।

भविष्य की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए श्री विशेष सारंगल ने कहा, हम इस उपलब्धि तक सीमित नहीं रहेंगे। पंजाब की डिजिटल यात्रा के अगले चरण में सेवा वितरण को और अधिक सरल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) को एकीकृत किया जाएगा। हमारा लक्ष्य आय, निवास और जाति प्रमाण-पत्र सहित सभी प्रमुख सेवाओं के लिए 100 प्रतिशत पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस इकोसिस्टम स्थापित करना है।यह पुरस्कार लालफीताशाही को पूरी तरह समाप्त करने के हमारे संकल्प को और मजबूत करेगा तथा आम नागरिकों के लिए हर सरकारी सेवा को एक क्लिक पर उपलब्ध कराएगा।

ईरान का संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर पर हमला

एयरपोर्ट का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त, कतर के दोहा में धमाके

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
दुबई/दोहा/तेहरान/वाशिंगटन

इजराइल-अमेरिका के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के मारे जाने के बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने आज सुबह संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई पर हवाई हमला किया। इस हमले में जेबेल अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में एयरपोर्ट के अंदर धुआं नजर आ रहा है। स्टाफ बिल्डिंग खाली कर रहा है। कतर के दोहा में भी धमाके हुए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई में सुबह लगातार शक्तिशाली विस्फोट हुए। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। एयरपोर्ट और आसपास धुआं नजर आ रहा है। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट के बाद दुबई के बिजनेस बे के ऊपर एक हवाई इंटरसेप्शन से निकले मलबे से शहर के बड़े कमर्शियल पोर्ट में आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, कतर के दोहा में रविवार सुबह स्थानीय समयानुसार 7:30 बजे कई जोरदार धमाके सुने गए। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के लोग खामेनेई की मौत की आधिकारिक घोषणा के बाद सड़क पर जश्न मना रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन बदलने के आह्वान के बाद ईरान ने अभूतपूर्व हमले की चेतावनी दी है। इजराइल की नेशनल इमरजेंसी सर्विस का कहना है कि शनिवार को देशभर में हुए हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 121 अन्य घायल हो गए। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि तेल अवीव में ईरान के मिसाइल हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और परिवार के कई सदस्य मारे गए

तेहरान/तेल अवीव/वाशिंगटन। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्य मारे गए। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि जब तक ईरान में शांति स्थापित नहीं हो जाती, तब तक हमला जारी रहेगा। अमेरिकी केबल सीएनएन, द टाइम्स ऑफ इजराइल, ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इरना की रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के कई मीडिया समूहों ने भी खामेनेई की मौत की पुष्टि की है। इनमें सबसे बड़ी स्वीकारोक्ति सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी की है। आईआरआईबी ने रविवार सुबह बताया, "ईरान के सुप्रीम लीडर शहीद हो गए हैं।" खामेनेई की मौत के बाद ईरान ने भी इजराइल पर हमले किए हैं। तेल अवीव में ईरान के हमले में एक महिला की मौत हो गई। इजराइल ने कहा कि अमेरिका के साथ संयुक्त सैन्य अभियान के शुरुआती हमलों में कम से कम 30 प्रमुख नेताओं में से कई मारे गए। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई तब तक चलेगी जब तक ईरान के लोग आजाद नहीं हो जाते। इस बीच इजराइल का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार रात ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत का ऐलान किया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, "इतिहास के सबसे बुरे लोगों में से एक खामेनेई मर गया है।" ट्रंप के इस बयान से कुछ घंटे पहले ही इजराइली और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि हमले में खामेनेई मारे गए हैं। इजराइल के चैनल 12 ने बताया कि तेहरान में कंपाउंड से खामेनेई का शव मिलने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को उसकी तस्वीर दिखाई गई। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि हमले में खामेनेई की बेटी, पोता, बहू और दामाद भी मारे गए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमले में मारे गए ईरान के सैन्य अधिकारियों की पहचान उजागर की है। इनमें सर्वोच्च सैन्य अधिकारी अली शमखानी और आईआरजीसी के कमांडर मोहम्मद पाकपुर प्रमुख हैं। आईडीएफ ने कहा कि हमले में ईरान के मिलिट्री इमरजेंसी हेडक्वार्टर में इंटेलिजेंस के चीफ सालेह असदी और प्रमुख सैन्य अफसर मोहम्मद शिराजी भी मारे गए हैं। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले को आक्रमण करार दिया है। अराघची ने कहा कि इस हमले के जवाब में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान यूनाइटेड नेशंस के चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत सेल्फ-डिफेंस के अपने अंदरूनी और कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर रहा है। इस हमले में दक्षिण ईरान में कम से कम 85 छात्राएं मारी गई हैं। यह सब होर्मोजगान प्रांत के मिनाब में एक स्कूल में पढ़ती थीं। मिनाब के प्रांतीय गवर्नर मोहम्मद रादमेहर ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कम से कम 53 छात्राएं मलबे में दबी हैं। बताया जा रहा है कि ईरानी आर्म्ड फोर्सेज ने बड़े पैमाने पर जवाबी हमले किए हैं। इजराइल के कब्जे वाले इलाकों और पूरे इलाके में अमेरिकी मिलिट्री बेस को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। स्कूली छात्राओं के मारे जाने पर न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी ने कहा कि ईरानी आर्म्ड फोर्सेज इन हत्याओं का बदला जरूर लेंगी।

ईरान में खामेनेई की मौत पर 40 दिन का राजकीय शोक, सात दिन की छुट्टी घोषित

तेहरान। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हवाई हमले में इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की मौत पर 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन का सरकारी अवकाश घोषित किया गया है। ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर आईआरआईबी ने रविवार सुबह कहा कि इस हमले में खामेनेई की शहादत हो गई। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, इसके तुरंत बाद ईरानी मंत्रिपरिषद ने सात दिन की सार्वजनिक छुट्टी और 40 दिन के राजकीय शोक की घोषणा की। साथ ही तीन सदस्यीय वाली नेतृत्व परिषद (मार्गदर्शक मंडल) की घोषणा भी की गई है। ईरान के मुताबिक यह परिषद कुछ समय तक सर्वोच्च नेता की भूमिका का निर्वाह करेगी।

अमेरिका-ईरान टकराव के बीच जापान सतर्क, नागरिकों की सुरक्षा के लिए विशेष कदम

टोक्यो। मध्य पूर्व में अमेरिका-ईरान तनाव के बढ़ने के बीच जापान ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एहतियाती कदम तेज कर दिए हैं। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने सोशल मीडिया पर कहा कि इजराइल ने अमेरिका की भागीदारी के साथ ईरान के खिलाफ पूर्व-खतरनाक (प्रीएम्प्टिव) हमला किया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रह रहे जापानी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने पहले से ही एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, जिनमें संभावित आपात स्थिति के लिए अग्रिम निकासी योजनाएं भी शामिल हैं। ताकाइची ने कहा कि उन्होंने संबंधित सभी मंत्रालयों और एजेंसियों को तुरंत निर्देश दिए हैं कि वे स्थिति की जानकारी एकत्र करें और वहां मौजूद जापानी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय लागू करें। प्रधानमंत्री कार्यालय में स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे ईरान स्थिति सूचना समन्वय कार्यालय की स्थापना की गई है, जो घटनाक्रम की वास्तविक समय में निगरानी और समन्वय करेगा। ताकाइची उस समय पार्टी संबंधी दौरे पर कानागावा शहर में थीं, जहां से वह लगातार अपडेट ले रही थीं और आवश्यक निर्देश जारी कर रही थीं। उन्होंने कहा कि टोक्यो लौटने के बाद वह कैबिनेट मंत्रियों से विस्तृत रिपोर्ट लेंगी और जोखिमों से निपटने के लिए व्यापक तैयारी की समीक्षा करेंगी। जापानी सरकार ने दोहराया है कि वह क्षेत्रीय हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी।

इंदौर के बुजुर्ग दंपत्ति डिजिटल अरेस्ट के हुए शिकार, जालसाजों ने 1.15 करोड़ रुपये ठगे

इंदौर। मध्य प्रदेश इंदौर शहर के एक बुजुर्ग दंपत्ति डिजिटल अरेस्ट के शिकार हो गए। साइबर ठगों ने गिरफ्तारी का डर दिखाकर उनसे 1 करोड़ 15 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हीरानगर थाना पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 80 वर्षीय विजय सक्सेना और उनकी पत्नी सुमन सक्सेना (77वर्ष), निवासी बजरंग नगर इंदौर के मोबाइल पर 15 नवंबर 2025 को वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुणे एटीएस मुख्यालय का अधिकारी 'चंद्रभान सिंह' बताया। उसने दावा किया कि सुमन के नाम से जम्मू में एचडीएफसी बैंक खाते में 70 लाख रुपये की संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है और मामला आतंकवाद से जुड़ा है। जालसाजों ने लगातार वीडियो कॉल कर महिला और उनके पति को कथित पूछताछ के नाम पर घंटों बैठे रहने को मजबूर किया। उन्हें धमकी दी गई कि सहयोग नहीं किया तो गिरफ्तारी होगी, संपत्ति जब्त होगी और बच्चों को नुकसान पहुंचाया जाएगा। डर के माहौल में आरोपियों ने व्हाट्सऐप पर आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक संबंधी दस्तावेज मंगवा लिए। इसके बाद दो अलग-अलग बैंक खातों के नंबर देकर कहा कि जांच पूरी होने तक रकम सुरक्षित ट्रांजैक्शन के रूप में ट्रांसफर करनी होगी। इसके बाद 20 नवंबर 2025 को महिला ने अपने खाते से 49.70 लाख रुपये और उनके पति ने 65.30 लाख रुपये एनईएफटी के माध्यम से बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। आरोपियों ने यह भी हिदायत दी कि बैंक में पूछताछ होने पर बताना कि रकम बेटियों के लिए भेजी जा रही है। रकम ट्रांसफर के बाद लगातार फोन कॉल्स और मानसिक दबाव के चलते पति की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना के कुछ दिन बाद महिला ने पूरी जानकारी अपने दामाद को दी। इसके बाद मामले की शिकायत साइबर क्राइम ब्रांच में की गई। जांच के बाद हीरानगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धाराओं 318(4), 319(2) और 308 के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़ित महिला सुमन सक्सेना ने बताया कि उन्हें चंद्रभान नामक बदमाश ने पहले 8402823868 नंबर से कॉल किया। इसके बाद प्रदीप लाल नामक बदमाश ने 8511309468 नंबर से वीडियो कॉल किया। 15 नवंबर को किए कॉल में चंद्रभान ने सुमन को फोन पर बताया कि पुलवामा, पहलगाम में छोटे बच्चों के रेप व मर्डर हुए हैं। इसमें आतंकवादी अफजल खान पकड़ा गया है, उसने आपका नाम लिया है। जम्मू के एचडीएफसी बैंक में आपका अकाउंट है और कमीशन के रूप में आपको 70 लाख रुपए दिये हैं।

यूएई में दूतावास ने नेपाली नागरिकों को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आगाह किया

काठमांडू। संयुक्त अरब अमीरात में नेपाली दूतावास ने यूएई में विकसित हो रही परिस्थितियों के संदर्भ में वहां निवास कर रहे समस्त नेपाली समुदाय से सोशल मीडिया के माध्यम से अपुष्ट और भ्रामक सामग्री साझा न करने का आग्रह किया है। दूतावास ने ह्यएडवाइजरी-2ह्ल जारी करते हुए अज्ञात स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं, अफवाहों या आधिकारिक रूप से पुष्टि न की गई सामग्रियों को प्रकाशित या प्रसारित न करने की अपील की है। परामर्श में कहा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या अन्य तकनीकी माध्यमों से अपुष्ट सामग्री साझा करने से सुरक्षा स्थिति को लेकर भ्रम और अनिश्चितता उत्पन्न हो सकती है, इसलिए सभी को ऐसे कार्यों से बचने के लिए सचेत किया गया है। यह भी कहा गया है कि यूएई के संबंधित निकाय पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस प्रकार की गतिविधियां कानून के अनुसार दंडनीय हैं। अतः वहां रह रहे नेपाली नागरिकों से स्थानीय कानूनों का पूर्ण पालन करने और अफवाह फैलाने से दूर रहने का अनुरोध किया गया है। दूतावास ने विकसित परिस्थितियों से संबंधित सही और आधिकारिक जानकारी प्राप्त करने के लिए यूएई सरकार के आधिकारिक निकायों की वेबसाइट और सूचनाओं के माध्यम से ही अपडेट लेने की सलाह दी है। केवल यूएई के सरकारी निकायों द्वारा जारी सूचनाओं और अपडेट को ही आधार मानने का आग्रह किया गया है।

मिडिल ईस्ट में गंभीर सैन्य संघर्ष के बीच पाकिस्तान ने रद्द की 156 उड़ानें

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

फोटोः हि.स.

मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में गंभीर सैन्य संघर्ष और तनाव की स्थिति के बीच पाकिस्तान ने 156 उड़ानें रद्द कर दी हैं। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत से तनाव और बढ़ गया है। ईरान जवाब में इजराइल और खाड़ी देशों (यूएई, कतर, बहरीन, कुवैत) में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए हैं। दुबई के बुर्ज अल अरब होटल और पाम जुमेराह जैसे इलाकों में भी धमाकों खबरें मिली हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान से मिडिल ईस्ट जाने वाली अलग-अलग एयरलाइंस की कम से कम 156 फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, अल्लामा इकबाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कुल 22 और इस्लामाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 18 इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। इससे बड़ी संख्या में यात्री फंस गए हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि मुल्तान, सियालकोट, पेशावर और क्वेटा के एयरपोर्ट से मिडिल ईस्ट के देशों के लिए जाने वाली कई फ्लाइट्स भी कैंसिल कर दी गईं। इसके अलावा, जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मिडिल ईस्ट के अलग-अलग शहरों के लिए जाने वाली कई फ्लाइट्स को दिन भर के लिए रोक दिया गया। सुरक्षा कारणों से मिडिल ईस्ट के कई देशों के एयरस्पेस (हवाई क्षेत्र) को बंद कर दिया गया है। एयर इंडिया, इतिहाद और इंडिगो सहित कई वैश्विक एयरलाइंस ने अपनी उड़ानें रद्द कर दी हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इस स्थिति को अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए ₹गंभीर खतरा₹ बताया है। खाड़ी देशों में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भी उछाल आया है। मिडिल ईस्ट में 17 देश हैं, जिनमें मुख्य रूप से सऊदी अरब, ईरान, इजरायल, इराक, तुर्किये, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) प्रमुख हैं।

संक्षिप्त-समाचार

गुवाहाटी से कार व्यवसायी का अपहरण, लूटे 45 हजार, सोने की चेन

गुवाहाटी। गुवाहाटी के सातगांव क्षेत्र से कार व्यवसायी महिदुल अली का कथित रूप से पांच नशेड़ी युवकों के एक दल ने बीती रात अपहरण कर लिया। आरोप है कि युवकों ने उनसे पांच लाख रुपये की मांग की। जानकारी के अनुसार, आरोपितों ने महिदुल अली को जबरन अपने कब्जे में लेकर पांच लाख रुपये देने के लिए दबाव डाला। राशि देने से इनकार करने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपितों ने उनके पास से 45 हजार रुपये नकद और एक सोने की चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।

भारत में फंसे विदेशी नागरिकों के लिए सरकार ने जारी किया परामर्श

नई दिल्ली। मध्य पूर्व एशिया में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों और ईरान के जवाबी पलटवार के बाद उत्पन्न गंभीर स्थिति के बीच भारत सरकार ने देश में फंसे विदेशी नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया है। विदेश मंत्रालय ने परामर्श में कहा गया है कि है कि इस घटनाक्रम के कारण जिन विदेशी नागरिकों की भारत से प्रस्थान योजना प्रभावित हुई है और उन्हें अपनी यात्रा स्थगित करनी पड़ी है, वे अपनी वीजा अवधि बढ़ाने अथवा ठहराव को नियमित कराने के लिए निकटतम विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय से तत्काल संपर्क करें। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय प्रभावित नागरिकों को आवश्यक औपचारिकताओं के निर्वहन में पूर्ण सहायता प्रदान करेगा, ताकि उनकी उपस्थिति विधिसम्मत बनी रहे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय तनाव के कारण कई अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं ने उड़ानें निलंबित कर दी हैं। कुछ क्षेत्रों में हवाई क्षेत्र बंद होने से भारत में ठहरे विदेशी नागरिकों की वापसी प्रभावित हुई है।

पिता की जमा पूंजी को लेकर विवाद, भाई ने की भाई की हत्या

दक्षिण 24 परगना। जिले के बासंती इलाके में पिता की जमा पूंजी को लेकर हुए झगड़े में दो भाइयों ने मिलकर अपने ही सगे भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने एक आरोपित को हिरासत में लिया है, जबकि दूसरा फरार है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम यूसुफ अली मोल्ला (44) है। वह बासंती थाना अंतर्गत उत्तर मोकामबेड़िया पंचायत अंतर्गत हाड़भांगी गांव का निवासी था। यूसुफ तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। कुछ दिन पहले ही उनके पिता का निधन हुआ था, जिसके बाद पिता द्वारा छोड़ी गई नकद राशि को लेकर तीनों भाइयों–यूसुफ अली मोल्ला, सईद अली मोल्ला और सैफुद्दीन मोल्ला–के बीच लगातार विवाद चल रहा था। शनिवार शाम यह विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि सईद अली और सैफुद्दीन ने लाठी से यूसुफ पर बेरहमी से हमला किया। गंभीर रूप से घायल यूसुफ की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर बासंती थाने की पुलिस भारी बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने सईद अली मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया है।

जिला पुलिस पुंछ ने सुरनकोट में दो ड्रग पेडलर को दबोचा

पुंछ। ड्रग तस्करी और नशीली दवाओं के गलत इस्तेमाल के खिलाफ अपनी लगातार और खास मुहिम को जारी रखते हुए जिला पुलिस पुंछ ने मिर्जा मोड़, सुरनकोट से ड्रग पेडलर को पकड़कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस स्टेशन सुरनकोट की एक पुलिस पार्टी ने रूटीन चेकिंग के तहत मिर्जा मोड़ पर नाका लगाया था। ऑपरेशन के दौरान दो संदिग्ध लोगों को रोका गया और तय कानूनी तरीकों के मुताबिक उनकी सख्ती से तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, उनके पास से लगभग 09 ग्राम चिट्टा जैसा पदार्थ (संदिग्ध हेरोइन) बरामद किया गया।

अंतिम मतदाता सूची में 60 लाख संदिग्धों में से सबसे अधिक बांग्लादेश से सटे जिलों में

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल में शनिवार शाम चुनाव आयोग ने राज्य की अंतिम मतदाता सूची जारी की। विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद सामने आए आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि राज्य में मतदाताओं की शुचिता को लेकर एक अभूतपूर्व अभियान चलाया गया। इस नई सूची के सबसे चौंकाने वाले आंकड़े 'अंडर एडजुडिकेशन' यानी विचाराधीन श्रेणी से निकलकर आए हैं, जिसमें राज्य के लगभग 60 लाख छह हजार 675 मतदाताओं को संदिग्ध मानते हुए उनके मतदान अधिकार को फिलहाल रोक दिया गया है। इन मतदाताओं की नागरिकता और दस्तावेजों की वैधता अब न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। इनका नाम मतदाता सूची में रहेगा या नहीं, इसका निर्णय उच्चतम न्यायालय के आदेश अनुसार उच्च न्यायालय की न्यायिक बेंच करेगी। इसकी सुनवाई लगातार चल रही है और दावा किया जा रहा है कि राज्य में चुनाव के ऐलान से पहले यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इस पूरी रिपोर्ट का विश्लेषण करने पर जो सबसे प्रमुख तथ्य उभरकर सामने आता है, वह है संदिग्ध मतदाताओं का भौगोलिक केंद्र। चुनाव आयोग के आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि संदिग्ध मतदाताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा उन जिलों में है जिनकी सीमाएं सीधे तौर पर बांग्लादेश से सटी हुई हैं। इन इलाकों में लंबे समय से अवैध घुसपैठ और मतदाता सूचियों में हेरफेर के आरोप लगते रहे हैं। आंकड़ों के प्रवाह में देखें तो मुर्शिदाबाद जिला इस फेहरिस्त में सबसे ऊपर है, जहां अकेले 11 लाख एक हजार 145 मतदाताओं के नाम संदिग्ध पाए गए हैं। यह संख्या पूरे राज्य के संदिग्ध मामलों का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा है, जो जिला स्तर पर एक बहुत बड़ी विसंगति को दर्शाता है। यह वही जिला है जहां हिंदुओं के साथ पिछले दो सालों से लगातार हिंसा होती रही है और इस जिले में करीब 70 फीसदी मुस्लिम आबादी है तथा मूल निवासी बंगाली समुदाय घटकर 30 फीसदी के करीब पहुंच गया है।

मुर्शिदाबाद के ठीक बाद मालदा जिले की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक और संवेदनशील बनी हुई है। मालदा में आठ लाख 28 हजार 127 मतदाताओं को संदिग्ध की श्रेणी में रखा गया है। जिले की कुल आबादी और क्षेत्रफल के अनुपात में मालदा में संदिग्धों की यह संख्या राज्य में सबसे प्रभावी मानी जा रही है।

पुंछ में एलओसी के पास भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तान का ड्रोन, सेना ने की फायरिंग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आज तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराने के लिए सेना के जवानों को गोलीबारी करनी पड़ी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन कुछ देर दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लौट गया। तीन दिनों में यह दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की आवाजाही का पता चलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि अग्रिम चौकी पर तैनात सैनिकों ने सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर दुश्मन के ड्रोन को देखा और उसे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। हालांकि, ड्रोन गोलियों से बच गया और तुरंत वापस लौट गया। अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया गया कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए गए हों। 27 फरवरी को भी सैनिकों ने इसी इलाके में एक पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग की थी'

मणिपुर में केसीपी और यूएनएलएफ के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

फोटोः हि.स.

मणिपुर पुलिस ने शनिवार को अलग-अलग अभियान में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) का एक सदस्य तथा यूएनएलएफ (कोइरेंग) के दो सक्रिय कैडर शामिल हैं।

मणिपुर पुलिस मुख्यालय से आज जारी आधिकारिक सूचना में बताया गया कि पुलिस ने इंफाल पश्चिम जिले के सिंगजामेई थाना क्षेत्र अंतर्गत खगेमपल्ली पंखा नगानापी थोंग मामांग स्थित उसके आवास से केसीपी (नौंगद्रेनखोम्बा) के कैडर लाइशराम मोनिश सिंह उर्फ टॉम (23) को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

एक अन्य अभियान में इंफाल पूर्व जिले के पोरोमपत थाना क्षेत्र के वांगखेई आयांगपल्ली से यूएनएलएफ (कोइरेंग) के दो कैडरों को पकड़ा गया। उनकी पहचान स्वयंभू सेकेंड लेफ्टिनेंट असीम नोंगपोकंगनबा मैतेई उर्फ नांगोइबा (32) तथा थांगजाम गांधी मैतेई उर्फ याइमा (27) के रूप में हुई है। दोनों पर वसूली गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से एक पिस्तौल, दो मैगजीन में भरे 16 जिंदा कारतूस तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

इतिहास

सरोजिनी नायडू ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई

'भारत की कोकिला' सरोजिनी नायडू को राष्ट्र ने खोया

एजेंसी (हि.स.)

इतिहास में 02 मार्च का दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और साहित्य जगत के लिए गहरी संवेदना का दिन है। 2 मार्च 1949 को महान स्वतंत्रता सेनानी, कवयित्री और महिला अधिकारों की प्रबल आवाज सरोजिनी नायडू का निधन हुआ था। अपनी ओजपूर्ण लेखनी और प्रभावशाली वाणी के कारण उन्हें 'भारत की कोकिला' के नाम से सम्मानित किया गया।

13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में जन्मीं सरोजिनी नायडू के पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय निजाम कॉलेज के प्राचार्य थे। प्रारंभ से ही वह मेधावी छात्रा थीं। उन्होंने मद्रास यूनिवर्सिटी से शिक्षा ग्रहण की और आगे की पढ़ाई के लिए लंदन के किंग्स कॉलेड लंदन तथा कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के गिरटन कॉलेज में अध्ययन किया।

सरोजिनी नायडू ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। वह महिलाओं के अधिकारों की सशक्त समर्थक थीं और देशभर में अपने प्रेरक भाषणों से जनचेतना जगाती रहीं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं, जो उस दौर में महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। आजादी के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश (तत्कालीन यूनाइटेड प्रोविंसेज) का राज्यपाल नियुक्त किया गया और इस तरह वह स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल बनीं।

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

1995 - इक्वाडोर एवं पेरू के मध्य चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए दोनों देशों के मध्य समझौता। 1997 - चीन द्वारा अपने रक्षा बजट में 12 प्रतिशत की वृद्धि। 1999 - व्यापक परमाणु परीक्षण संधि (सी.टी.बी.टी.) पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत के साथ किसी गुप्त समझौते के समाचार का सं.रा. अमेरिका द्वारा खंडन। 2000 - चिली के पूर्व सैनिक तानाशाह जनरल आगस्टो पिनोशे ब्रिटेन द्वारा रिहा करने के बाद स्वदेश रवाना। 2002 - कूलम (आस्ट्रेलिया) में राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन शुरू, पाकिस्तान को पुनः शामिल करने से इन्कार, फि लिस्तीन ने इस्रायल से सभी सम्बन्ध तोड़े। 2006 - नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक परमाणु समझौता सम्पन्न। भारत ने परमाणु शक्ति के सम्बन्ध में अमेरिका के साथ राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के दिल्ली आगमन पर समझौता किया। 2008- आइगेट कॉर्पोरेशन ने फनी मूर्ति को अपना मुख्य परिचालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया। हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया के दफ़्तर पर इस्रायली युद्धक विमानों ने हमला किया। ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदी नेजाद अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर इराक पहुँचे। नेपाल सरकार ने पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर संघर्षरत देसी जातीय समूहों के एक गठबंधन से समझौता किया। 2009- चुनाव आयोग ने 15वीं लोकसभा के चुनाव 16 अप्रैल से 13 मई के बीच 5 चरणों में सम्पन्न करने की घोषणा की। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी अनुषंगी रिलायंस पेट्रोलियम के निवेशकों के निदेशकों के बोर्ड ने दोनों कम्पनियों के विलय के प्रस्ताव को मंजूदी दी।

निधन

2021 - बी. एस. नारंग - प्रसिद्ध शास्त्रीय वादक तथा संगीतकार थे। 2014 - पवन दीवान - छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण आंदोलन के प्रखर नेता, संत और कवि थे। 2010 - सैयद अली - भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी थे। 1949 - सरोजिनी नायडू - सुप्रसिद्ध कवयित्री। 1869 - हरकोर्ट बटलर, उत्तर प्रदेश के प्रथम राज्यपाल।

जन्म

1498 - पुर्तगाली यात्री वास्को डी गामा और उनका बेड़ा अपनी पहली यात्रा के दौरान मोजाम्बीक द्वीप पहुंचे। 1807 - अमेरिकी कांग्रेस ने एक कानून पारित किया, जिसके तहत गुलामों के आयात पर रोक लगा दी गई, जो दास प्रथा के अंत की दिशा में एक अहम कदम था। 1931 - सोवियत नेता मिखाइल गोबार्चेव का जन्म हुआ, जिन्हें सुधारों की शुरूआत के लिए जाना जाता है। 1969 - ब्रिटेन के सुपरसोनिक विमान कॉनकॉर्ड ने अपनी पहली सफल उड़ान भरी और इसे 2080 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक उड़ाया जा सकता था। 1970 - रोडेशिया के प्रधानमंत्री इयान स्मिथ ने ब्रिटिश साम्राज्य से अपना अंतिम संपर्क समाप्त करते हुए देश को गणराज्य घोषित किया। 1991 - श्रीलंका के कोलंबो में एक कार बम विस्फोट में रक्षा उप मंत्री रंजन विजयरत्ने सहित 19 लोगों की मौत हुई। 1995 - इक्वाडोर एवं पेरू के मध्य चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए दोनों देशों के मध्य समझौता। 1997 - चीन द्वारा अपने रक्षा बजट में 12 प्रतिशत की वृद्धि। 1999 - व्यापक परमाणु परीक्षण संधि (सी.टी.बी.टी.) पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत के साथ किसी गुप्त समझौते के समाचार का सं.रा. अमेरिका द्वारा खंडन। 2000 - चिली के पूर्व सैनिक तानाशाह जनरल आगस्टो पिनोशे ब्रिटेन द्वारा रिहा करने के बाद स्वदेश रवाना। 2002 - कूलम (आस्ट्रेलिया) में राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन शुरू, पाकिस्तान को पुनः शामिल करने से इन्कार, फि लिस्तीन ने इस्रायल से सभी सम्बन्ध तोड़े। 2006 - नई दिल्ली में भारत और अमेरिका के बीच ऐतिहासिक परमाणु समझौता सम्पन्न। 2006 - भारत ने परमाणु शक्ति के सम्बन्ध में अमेरिका के साथ राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के दिल्ली आगमन पर समझौता किया। 2008 - आइगेट कॉपोर्रेशन ने फनी मूर्ति को अपना मुख्य परिचालन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया। 2008 - हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया के दफ़्तर पर इजराइली युद्धक विमानों ने हमला किया। 2008 - ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदी नेजाद अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर इराक पहुँचे। 2008 - नेपाल सरकार ने पूर्वी पहाड़ी क्षेत्रों में अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर संघर्षरत देसी जातीय समूहों के एक गठबंधन से समझौता किया। 2009 - चुनाव आयोग ने 15वीं लोकसभा के चुनाव 16 अप्रैल से 13 मई के बीच 5 चरणों में सम्पन्न करने की घोषणा की। 2009 - रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी अनुषंगी रिलायंस पेट्रोलियम के निवेशकों के निदेशकों के बोर्ड ने दोनों कम्पनियों के विलय के प्रस्ताव को मंजूरी दी। 2023 - संयुक्त राष्ट्र ने जिनेवा बैठक में भगोड़े नित्यानंद के कैलासा का 'अप्रासंगिक' अभिवेदन खारिज किया। 2024 - भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने आईटीएफ महिला ओपन के सेमीफाइनल में हार का सामना किया, लेकिन युगल स्पर्धा में कजाकिस्तान की झिबेक कुलम्बायेवम के साथ खिताब जीतने में सफल रहीं।

हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम घोषित

सलीमा टेटे होंगी कप्तान, भारत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा

एजेंसी (हि.स.)
हैदराबाद

फोटोः हि.स.

हॉकी इंडिया ने हैदराबाद (तेलंगाना) में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 क्वालीफायर के लिए 20 सदस्यीय भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम (भारत) की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 8 से 14 मार्च तक आयोजित की जाएगी। भारत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा, इसके बाद 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स से मुकाबला करेगा।

इस क्वालीफायर में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया की टीमें भाग लेंगी। यहां से तीन टीमें एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 (बेल्जियम और नीदरलैंड्स) के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो अगस्त 2026 में खेला जाएगा। टीमों को दो पूल में बांटा गया है। पूल-ए में इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया, जबकि पूल-बी में भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स शामिल हैं। अनुभवी मिडफील्डर सलीमा टेटे टीम की कप्तानी संभालेंगी। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खरीबाम को सौंपी गई है। डिफेंस में सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी शामिल हैं। मिडफील्ड में सलीमा टेटे के साथ नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसाल और दीपिका सोरेंग को जगह मिली है। फॉरवर्ड लाइन में नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू गोल करने की जिम्मेदारी निभाएंगी। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजन ने कहा कि टीम फिटनेस और रणनीति पर काम कर रही है और टूनार्मेंट से पहले दो अभ्यास मैच खेलेगी।

20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : बंसारी सोलंकी और बिचु देवी खरीबाम।
डिफेंडर्सः सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता और इशिका चौधरी।
मिडफील्डरः सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, सुनेलिता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसाल और दीपिका सोरेंग।
फॉरवर्डः नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू।

दुबई एयरपोर्ट के पास धमाका, पीवी सिंधु को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु को दुबई एयरपोर्ट के पास हुए धमाके के बाद सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। वह अपनी टीम के साथ एयरपोर्ट पर फंसी हुई थीं, जहां अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण उड़ान संचालन अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया था।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड ओपन खेलने के लिए रवाना हुई थीं, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण उन्हें दुबई में रुकना पड़ा। एयरस्पेस बंद होने से कई उड़ानें प्रभावित हुईं और यात्री एयरपोर्ट पर ही इंतजार करने को मजबूर हो गए।

सिंधु ने सोशल मीडिया पर बताया, स्थिति हर घंटे और भयावह होती जा रही है। कुछ घंटे पहले एयरपोर्ट पर जहां हम ठहरे हुए थे, उसके पास जोरदार धमाका हुआ। मेरे कोच को धुएं और मलबे के सबसे करीब होने के कारण तुरंत वहां से भागना पड़ा। वह हम सभी के लिए बेहद तनावपूर्ण और डरावना पल था।

उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल सभी सुरक्षित हैं और दुबई एयरपोर्ट स्टाफ व स्थानीय प्रशासन की मदद से उन्हें अधिक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। सिंधु ने दुबई में स्थित भारतीय उच्चायोग का भी विशेष रूप से आभार जताया, जिसने लगातार संपर्क में रहकर सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि अब वे हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव के चलते खाड़ी देशों के एयरस्पेस को बंद कर दिया गया है। इससे एमिरेट्स और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुई हैं। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। इजरायल के साथ-साथ बहरीन, कुवैत और कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाए जाने से पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

लुकाकू के गोल से नेपोली ने जीत का इंतजार खत्म किया

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मिलान

रोमेलु लुकाकू ने शनिवार को यहां हेलास वेरोना के खिलाफ मैच की आखिरी किक पर सत्र का अपना पहला गोल किया जिससे नेपोली का जीत का इंतजार खत्म हुआ।

सत्र से पूर्व लगी जांघ की गंभीर चोट के कारण अब तक सत्र में सिर्फ 41 मिनट खेलने वाले लुकाकू ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके नेपोली को अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रहे हेलास वेरोना पर 2-1 से जीत दिलाई। लुकाकू ने अपना पिछला गोल पिछले साल 23 मई को किया था जिसके बाद कुछ महीने उनके लिए बहुत बुरे बीते। जांघ में चोट लगने के कुछ समय बाद सितंबर 2025 में 58 साल की उम्र में उनके पिता का अचानक निधन हो गया। यह नेपोली की सभी प्रतियोगिताओं में चार मैच में पहली जीत थी। गत सीरी ए चैंपियन टीम अभी लीग तालिका में तीसरे स्थान पर है और शीर्ष पर चल रहे इंटर मिलान से 14 अंक पीछे है जिसने जिनोआ को 2-0 से हराया।

टीम इंडिया ने हीली को दिया 'गार्ड ऑफ ऑनर'

होबार्ट। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने अपने अंतिम वनडे मुकाबले को यादगार बना दिया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होबार्ट के बेलेरीव ओवल में जारी तीसरे और सीरीज के आखिरी वनडे में जब वह बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरीं, तो भारतीय महिला टीम ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर सम्मानित किया। ब्लू जर्सी में खड़ी भारतीय खिलाड़ियों की कतार के बीच से गुजरते हुए हीली का स्वागत तालियों की गड़गड़ाहट से हुआ। यह पल दर्शाता है कि मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद खिलाड़ियों के बीच सम्मान सर्वोपरि होता है। 35 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपने करियर के अंतिम वनडे में 79 गेंदों पर शतक जड़ा। यह उनका आठवां वनडे शतक और भारत के खिलाफ तीसरा सैकड़ा था। इसके बाद उन्होंने और तेजी दिखाई और 98 गेंदों में 158 रन ठोक डाले, जिसमें 27 चौके और दो छक्के शामिल रहे। उनकी यह पारी वनडे करियर का दूसरा सर्वोच्च स्कोर रहा। आखिरकार 37वें ओवर में स्नेह राणा की गेंद पर वह बोल्ड हो गईं। गेंद हाई फुलटॉस थी, जिस पर उन्होंने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन चूक गईं। अंपायरों ने इसे वैध डिलीवरी माना। आउट होने के बाद पूरा स्टेडियम खड़ा हो गया और हीली को स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

एएफसी ने ईरान पर हमले के बाद पश्चिम क्षेत्र चैंपियन्स लीग के मैच स्थगित किए

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
कुआलालंपुर

एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस हफ्ते पश्चिम एशिया में होने वाले महाद्वीपीय क्लब चैंपियनशिप प्ले ऑफ मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। एशियाई फुटबॉल की संचालन संस्था ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा कि पश्चिम क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार को होने वाले एएफसी चैंपियन्स लीग एलीट राउंड आफ 16 मुकाबलों के कार्यक्रम को फिर से तय किया जाएगा।

पश्चिम क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार को होने वाले एफससी चैंपियंस लीग दो और एएफसी चैलेंज लीग क्वार्टर फाइनल मुकाबले भी स्थगित किए जाएंगे। कोई नई तारीखें तय नहीं की गई हैं। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी क्लब अल नासर एशियाई चैंपियन्स लीग दो प्रतियोगिता में शामिल है। आयोजकों ने कहा कि पूर्व क्षेत्र में एएफसी की सभी महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं के मैच तय समय पर होंगे।

एएफसी ने बयान में कहा, एएफसी इस तेजी से बदलती स्थिति पर करीब से नजर रखेगा और सभी खिलाड़ियों, टीम, अधिकारियों और प्रशंसकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पक्का इरादा रखता है। एएफसी रविवार से ऑस्ट्रेलिया में महिला एशियाई कप की मेजबानी कर रहा है। ईरान उन 12 राष्ट्रीय टीम में से एक है जो इस टूनार्मेंट में हिस्सा ले रही हैं।

श्रीलंका के टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद जयसूर्या टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ेंगे

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

फोटोः हि.स.

सनथ जयसूर्या ने टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। सह मेजबान श्रीलंका सुपर आठ चरण में अपने सभी मैच हार गया। ग्रुप चरण में टीम को जिम्बाब्वे से हार मिली जबकि उसने ऑस्ट्रेलिया तथा कमजोर माने जाने वाले ओमान और आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की। शनिवार को पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की हार के बाद जयसूर्या ने संवाददाताओं से कहा, मेरा अनुबंध जून में खत्म हो रहा है लेकिन मैं उससे पहले चला जाऊंगा। पद छोड़ने के अपने फैसले को लेकर मैं श्रीलंका क्रिकेट से बात करूंगा।

एकदिवसीय विश्व कप 1996 में श्रीलंका की खिताबी जीत के दौरान टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे जयसूर्या ने कहा, हमें बेहतर करना चाहिए था, मुझे दुख है और मैं प्रशंसकों से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना और कुसाल मेंडिस की चोटों से श्रीलंका को काफी नुकसान हुआ। जयसूर्या ने खराब प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा, उनके विकल्प के रूप में चुने गए खिलाड़ी जरूरी स्तर का प्रदर्शन नहीं कर सके। हसरंगा मेरे सबसे अच्छे खिलाड़ी थे, आप आसानी से उनका विकल्प नहीं ढूंढ सकते। जयसूर्या ने कहा कि उनके कार्यकाल के डेढ़ साल में श्रीलंका ने सभी प्रारूप में अपनी रैंकिंग में सुधार किया।

कैलाश मानसरोवर जाने का सपना होगा पूरा, बिना वीजा ऐसे करें यात्रा

साल 2026 में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं के बीच जबरदस्त उत्साह है। हर साल हजारों भक्त भगवान शिव के पवित्र धाम कैलाश पर्वत और पवित्र झील मानसरोवर के दर्शन के लिए निकलते हैं। आमतौर पर यह यात्रा चीन (तिब्बत) क्षेत्र में होने के कारण पासपोर्ट और वीजा के माध्यम से की जाती है, लेकिन भारत में एक ऐसा मार्ग भी है जहां पासपोर्ट और वीजा की आवश्यकता नहीं पड़ती। अगर आप 2026 में बिना पासपोर्ट और वीजा के आध्यात्मिक यात्रा करना चाहते हैं तो आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा एक शानदार विकल्प है। हालांकि यदि आप वास्तविक कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील के दर्शन करना चाहते हैं, तो पासपोर्ट और वीजा अनिवार्य हैं। आइए जानते हैं 2026 में इस यात्रा से जुड़ी पूरी जानकारी।

बिना पासपोर्ट और वीजा कैसे संभव है यात्रा

भारत सरकार द्वारा संचालित आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा उत्तराखंड मार्ग के की जाती है। श्रद्धालु बिना पासपोर्ट-वीजा के इस मार्ग पर यात्रा के लिए जा सकते हैं। यह यात्रा पूरी तरह भारत की सीमा के अंदर होती है। यह मार्ग उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से होकर गुजरता है। इस यात्रा में श्रद्धालु आदि कैलाश (छोटा कैलाश) और ओम पर्वत के दर्शन करते हैं। ध्यान रखें यह यात्रा तिब्बत स्थित मुख्य कैलाश पर्वत नहीं बल्कि भारत में स्थित पवित्र स्थलों की यात्रा है।

आदि कैलाश क्या है

आदि कैलाश को ह्यछोटा कैलाशह्न भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह स्थल भगवान शिव का ही एक पवित्र स्वरूप माना जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण श्रद्धालुओं को विशेष अनुभव प्रदान करता है।

ओम पर्वत का महत्व

ओम पर्वत की खासियत यह है कि इसकी चोटी पर प्राकृतिक रूप से बर्फ से ह्यॐह्न का आकार बनता है। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत आस्था और आकर्षण का केंद्र है।

2026 में यात्रा कब शुरू होगी

आमतौर पर यह यात्रा मई से सितंबर के बीच आयोजित की जाती है, जब मौसम अनुकूल रहता है। 2026 के लिए आधिकारिक तिथियों की घोषणा उत्तराखंड सरकार या संबंधित पर्यटन विभाग द्वारा की जाएगी।

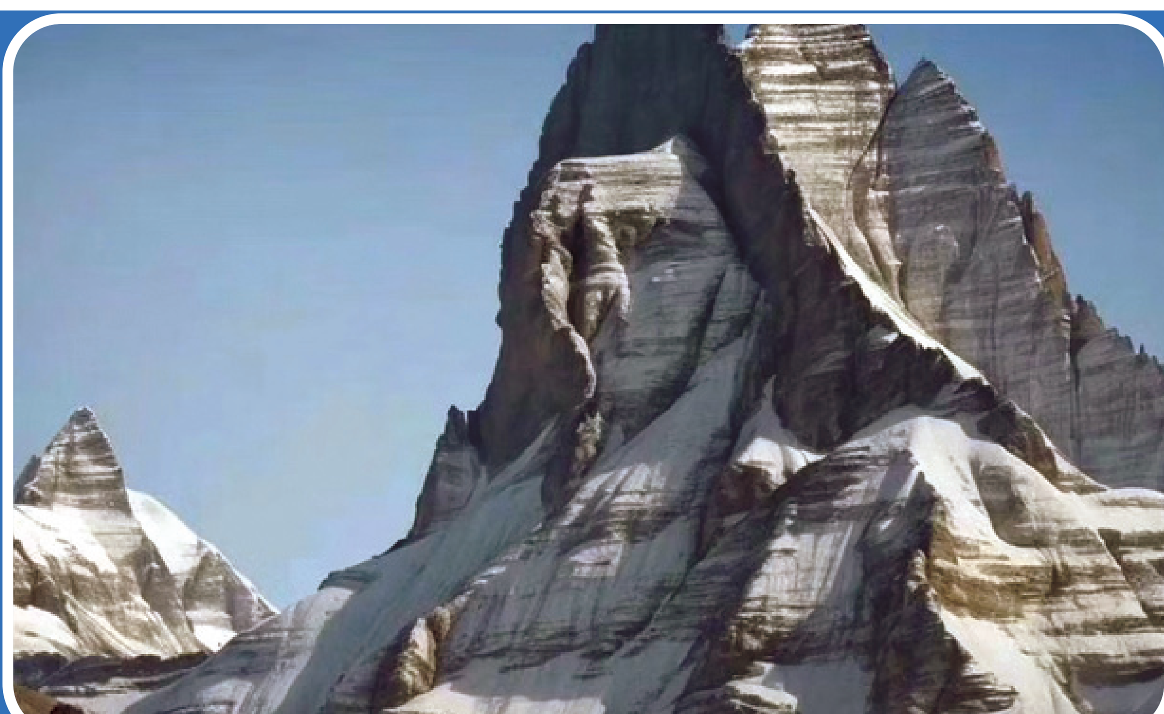

यात्रा के लिए पात्रता

भारतीय नागरिक होना आवश्यक। आयु सीमा आमतौर पर 18 से 70 वर्ष। मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट। वैध पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि।

कैलाश मानसरोवर की यात्रा का संभावित रूट

बिना वीजा पासपोर्ट के कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए उत्तराखंड मार्ग का चयन करें। इसमें दिल्ली से हल्द्वानी होते हुए पिथौरागढ़, धारचूला, गुंजी से आदि कैलाश और ओम पर्वत तक की यात्रा की जाती है। यह पूरा मार्ग उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत आता है।

यात्रा का अनुमानित खर्च

प्रति व्यक्ति पैकेज 35,000 रुपये से 60,000 रुपये तक सुविधाओं के अनुसार खर्च आ सकता है। इसमें आवास, भोजन, स्थानीय परिवहन और परमिट शामिल हो सकते हैं।

मुख्य कैलाश मानसरोवर यात्रा

अगर कोई श्रद्धालु तिब्बत स्थित वास्तविक कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील की यात्रा करना चाहता है, तो उसे पासपोर्ट, चीनी वीजा, मेडिकल टेस्ट और विदेश मंत्रालय द्वारा चयन प्रक्रिया से गुजरना होता है। यह यात्रा आमतौर पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित की जाती है।

यात्रा से जुड़ी जरूरी सावधानियां

हाई एल्टीट्यूड के कारण स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं। गर्म कपड़े और आवश्यक दवाइयां साथ रखें। मौसम अपडेट लेते रहें। अधिकृत एजेंसी से ही बुकिंग करें।

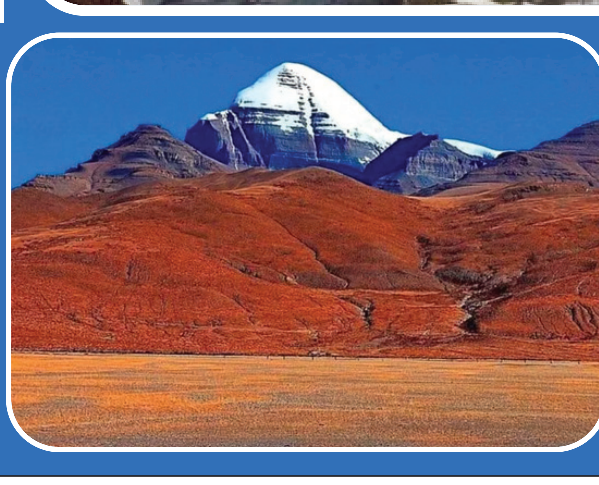
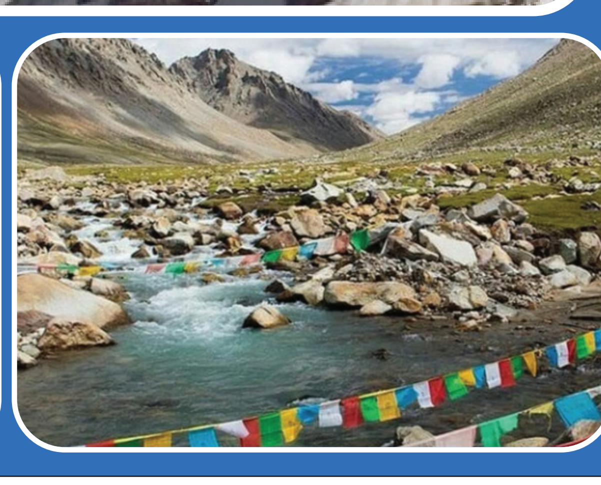

प्रशासक ने विद्यार्थियों को मैं नहीं, हम की सोच अपनाने का दिया संदेश

एसडी कॉलेज के 48वें दीक्षांत में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के कुल 1886 विद्यार्थियों को दी गई डिग्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज ने सत्र 2023-24 के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव मनाते हुए शनिवार को अपना 48वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस गरिमामय अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के कुल 1886 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं। समारोह की अध्यक्षता पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने की। इस अवसर पर गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर डॉ. करमजीत सिंह सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद थे। उन्होंने स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा के सिद्धांतों और जीवन से प्रेरणा लेकर सफलता की ओर अग्रसर होने का आग्रह किया। अपने संबोधन में कॉलेज की प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान निरंतर स्वर्गीय अध्यक्ष उपकार कृष्ण शर्मा द्वारा स्थापित मूल्यों, आदर्शों और दूरदर्शी मार्गदर्शन का अनुसरण करते हुए ज्ञान, संस्कार और

उत्कृष्टता की परंपरा को सशक्त रूप से आगे बढ़ा रहा है। डिग्रियों के वितरण से पूर्व, कॉलेज द्वारा स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की स्मृति में संचालित उपकार कृष्ण शर्मा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2025झ2026 के मेधावी एवं पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं। दीक्षांत भाषण देते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने जीजीडीएसडी कॉलेज की शैक्षणिक उत्कृष्टता की सराहना की।

उन्होंने विशेष रूप से संस्थान को नैक द्वारा प्रदान किए गए ए+ ग्रेड तथा शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में प्राप्त 70वें स्थान का उल्लेख करते हुए कॉलेज की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में संस्थान की निरंतर सफलताओं की भी प्रशंसा की और कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में निहित होना चाहिए। प्रशासक ने अपने संबोधन में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तथा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उल्लेख करते हुए शिक्षक के पेशे की स्थायी गरिमा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का सम्मान सेवा निवृत्ति के बाद भी बना रहता है।

कटारिया ने विद्यार्थियों से कॉलेज सोसायटी के स्वर्गीय अध्यक्ष उपकार कृष्ण शर्मा के आदर्शों और दृष्टि का अनुसरण करते हुए सुदृढ़ चरित्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आान किया। उन्होंने संस्थान में महिला शिक्षकों की उल्लेखनीय भागीदारी तथा छात्रवृत्तियों का लगभग आधा हिस्सा छात्राओं को प्रदान किए जाने की सराहना की। महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि इतिहास में महिलाओं को केवल अवसरों की कमी ने पीछे रखा है, जबकि वे सदैव संस्थानों और राष्ट्र का नेतृत्व करने में सक्षम रही हैं।

इससे पहले कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने वर्ष 2025झ26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज ने एनआईआरएफ में पूरे देश में 70वीं रैंक हासिल की है। कॉलेज को को आउटलुक, इंडिया टुडे तथा द वीक ने उत्तरी भारत (दिल्ली एनसीआर को छोड़कर) में प्रथम स्थान दिया गया है। पंजाब यूनिवर्सिची से संबद्ध इस संस्थान को नैक से ए+ ग्रेड मिला है। साथ ही, यूजीसी ने इसे कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सीलेंस का दर्जा दिया है और यह डीएसटी की स्टार कॉलेज योजना तथा बिल्डर प्रोग्राम का लाभ भी प्राप्त कर रहा है। डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि कॉलेज ने पंजाब यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताओं में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में ओवरऑल ट्रॉफी जीती। पुरुष टीम ने लगातार चौथी बार सर शादी लाल ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि महिला टीम ने पी. एल. बैंस ट्रॉफी जीती। सांस्कृतिक क्षेत्र में भी कॉलेज ने युवा एवं विरासत महोत्सव में रनर-अप तथा अंतर-क्षेत्रीय युवा महोत्सव में द्वितीय रनर-अप स्थान हासिल किया। कॉलेज की इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल को शिक्षा मंत्रालय से लगातार तीसरे वर्ष 4-स्टार रेटिंग मिली। करीब 500 विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट मिला, जबकि कई अन्य विद्यार्थियों ने उद्योगों के साथ समझौतों के तहत इंटर्नशिप हासिल की।

महापौर ने नशा मुक्ति अभियान के तहत लाहौल-स्पीति के लिए रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

फिल्म अभिनेत्री एवं प्रसिद्ध ट्रैवल ब्लॉगर आर्या वोरा के नेतृत्व में सुखना झील से देश के विभिन्न कोनों से एकत्रित ट्रैवलर्स की गाड़ियों की रैली नशा मुक्ति अभियानह्ल के तहत लाहौल-स्पीति के लिए रवाना हुई। इस रैली को मेयर सौरभ जोशी तथा प्रसिद्ध समाजसेवी रमेश गोयल ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर करॉफड के महासचिव डॉ. अनीश गर्ग तथा ट्रैफिक इंस्पेक्टर रोहतास कुमार, केबीडी कंपनी के सीईओ एवं इस रैली के आयोजक अनिल सिंघल इस अवसर पर मौजूद रहे

मेयर ने इस मौके पर कहा कि नशे के विरुद्ध जागरूकता के ऐसे अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए इसके खिलाफ सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। रैली का उद्देश्य यात्रा के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति

जागरूक करना और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश देना है। उपस्थित वक्ताओं ने आशा व्यक्त की कि इस प्रकार की पहल युवाओं में नई ऊर्जा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहित करेगी।

रैली में शामिल ट्रैवलर्स ने भी संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नशा मुक्ति का संदेश फैलाएंगे और समाज को एक बेहतर दिशा देने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध हरियाणा सरकार : नरेंद्र सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय नेचर कैंप थापली भ्रमण कार्यक्रम के दौरान आज विद्यार्थियों ने निर्धारित ट्रैकिंग गतिविधि को सफलतापूर्वक किया।

इस ट्रैकिंग में पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के छात्र-छात्राओं सहित अन्य प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति के निकट लाकर उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि ट्रैकिंग जैसी साहसिक गतिविधियां युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, कौशल

उपायुक्त ने म्हारी बेटियां म्हारा गौरव सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में आज उपायुक्त कैंप कार्यालय, सेक्टर-1 में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत म्हारी बेटियां म्हारा गौरव विषय पर 1 मार्च से 8 मार्च 2026 तक आयोजित की जाने वाली सप्ताहव्यापी गतिविधियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उल्लेखनीय है कि 1 मार्च से 8 मार्च तक जिला स्तर पर विभिन्न विभागों के सहयोग से संरचित वीक-लॉन्ग गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनका उद्देश्य बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। बैठक में डी.एल.एस.ए., पंचकूला; पुलिस उपायुक्त, पंचकूला; सिविल सर्जन,

पंचकूला; जिला शिक्षा अधिकारी, पंचकूला; जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी, पंचकूला तथा राजकीय पॉलिटेक्निक, पंचकूला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने स्तर पर इन गतिविधियों का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करें तथा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना को और अधिक प्रोत्साहित करते हुए अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सविता नेहरा, संरक्षण एवं निषेध अधिकारी, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर, जिला मिशन समन्वयक तथा जिला पोषण समन्वयक उपस्थित रहे। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज की शान और राष्ट्र का भविष्य हैं। म्हारी बेटियां म्हारा गौरव केवल एक विषय नहीं, बल्कि समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प है। उन्होंने सभी विभागों से समन्वय स्थापित कर इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने का आान किया।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के समर्थन में शपथ दिलाई गई तथा सिग्नेचर कैंपेन भी आयोजित किया गया। साथ ही स्कूलों और कॉलेजों में 112 व 1098 हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

बैठक का समापन सभी उपस्थित अधिकारियों द्वारा बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

महापौर जोशी को ब्राह्मण सभा करेगी सम्मानित

चंडीगढ़। श्री ब्राह्मण सभा, चण्डीगढ़ द्वारा सोमवार 2 मार्च को नवनिर्वाचित महापौर सौरभ जोशी को भगवान परशुराम भवन में सम्मानित किया जाएगा। ये जानकारी देते हुए श्री ब्राह्मण सभा, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष यशपाल तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम दोपहर साढ़े बारह बजे होगा।

राजकीय बौद्धिक दिव्यांग जन पुनर्वास संस्थान को 21000 रु देने की घोषणा

चंडीगढ़। सीएससीए (चण्डीगढ़ सीनियर सिटीजन एसोसिएशन) के चैप्टर यंग फ्रेंडस फॉरएवर की संगीतमय और सांस्कृतिक मासिक बैठक सीएससीए के फिर से निर्वाचित अध्यक्ष एससी अग्रवाल की प्रधानता में कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर 40 में आयोजित की गयी। चैप्टर के हेड दीदार सिंह ने एसोसिएशन के नव निर्वाचित अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत में सोमेश गुप्ता ने राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम गाया। मुनेश्वर जैन ने भक्ति गीत नयनहीन को प्रभु राह दिखाना गाया। पवन शर्मा ने बदन पर सितारे लपेटे हुए, नीलम गोयल ने आ जा सनम एवं बृज सपरा ने इक प्यार का नगमा है गीत गाए। कार्यक्रम की अनोखी प्रस्तुति थी राजकीय बौद्धिक दिव्यांगजन पुनर्वास संस्थान (ग्रिड) , सेक्टर 32 के विद्यार्थियों की ओर से लाजबाव गीत संगीत नृत्य और भांगड़े की प्रस्तुति। रोमी कुमार के निर्देशन में अलिशा, शैंकी, सूरज, मोहित, विनय, जागृत कौशल, आकाश, सुखविंदर एवं आशुतोष द्वारा वाद्य यंत्रों के साथ खूबसूरत गीतों का गायन प्रस्तुत किया गया। सुश्री आशिमा शर्मा के निर्देशन में साहिबजीत, अभय, गौरव, देव, दीपक, मयंक, अनूप, एवं तुषार द्वारा आकर्षक नृत्य एवं भांगड़े की प्रस्तुति दी गयी। माहौल पूरा संगीतमय हो गया। जिन सदस्यों के जन्मदिन एवं विवाह एनिवर्सरी थीं उन के शुभ अवसरों के लिए केक काट कर खुशी मनाई गई। चैप्टर की ओर से ग्रिड को 21000 रु देने की घोषणा की गयी। मंच का संचालन सुश्री मनीशा शर्मा द्वारा किया गया।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को जरूरत की चीजें निशुल्क वितरित की गई

चंडीगढ़। गांव सारंगपुर में स्थित नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर में एक विशेष आयोजन किया गया जिसमें पहली कक्षा से ग्यारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को उनके उपयोग में आने वाली वस्तुएं उपहार में बांटी गईं। विहंगम योग के क्षेत्रीय प्रभारी अजय दुबे की अध्यक्षता में अक्षर फाउंडेशन चंडीगढ़ चैप्टर की पूरी टीम के सहयोग द्वारा 60 से भी अधिक बच्चों को सामग्री निशुल्क वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जय मधुसूदन जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के प्रमुख प्रभु नाथ शाही ने बताया कि प्रति वर्ष अक्षर फाउंडेशन छोटे बच्चों को पढ़ाई में उचित सहायता हेतु प्रोत्साहन के रूप में कुछ न कुछ सामग्री भेंट करते रहते हैं। नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर सारंगपुर चंडीगढ़ के संस्थापक एवं व्यवस्थापक यशपाल तिवारी ने बताया कि जिन बच्चों को पढ़ने लिखने सामग्री निशुल्क वितरित की गई वो सब हर रविवार को प्रातः गायत्री मानस चेतना केन्द्र नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर में यज्ञ में केवल भाग ही नहीं लेते बल्कि यज्ञ करने की विधि भी सीखते हैं। उन्होंने बताया कि यज्ञ के उपरांत भोजन भंडारा भी लगाया जाता है। अजय दुबे ने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें और अपने माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन करें।

सालाना पीजीआई पीडियाट्रिक्स अपडेट 2026; बेसिक्स टू ब्रेकथ्रूज थीम वाली दो दिन की एकेडमिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सीएमई का दूसरा दिन डायग्नोस्टिक और क्लिनिकल जरूरी चीजों पर सेशन के साथ शुरू हुआ, जिसमें छोटे बच्चों में यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन पीडियाट्रिशियन के लिए डमेटोलॉजी अपडेट्स, और पीडियाट्रिक प्रैक्टिस में चेस्ट रेडियोलॉजी की व्याख्या शामिल है। सेशन की शुरूआत बच्चों में यूटीआईपर फोकस करने, क्लिनिकल शक को बेहतर बनाने और सबूतों पर आधारित मैनेजमेंट को बढ़ावा देने के साथ हुई। एक डमेटोलॉजी अपडेट सेशन का मकसद पैटर्न पहचानने और क्लिनिकल रीजनिंग के जरिए बेडसाइड डायग्नोस्टिक स्किल्स को बेहतर बनाना था। बाद के लेक्चर में बच्चों के चेस्ट रेडियोग्राफ की सही समझ के बारे में डिटेल में बताया गया कि यह सांस की बीमारी का पता लगाने के लिए एक जरूरी

तरीका है, साथ ही अलग-अलग बच्चों के क्लिनिकल सिनेरियो में ज्यादा डायग्नोसिस और गैर-जरूरी इलाज से भी बचा जा सकता है। नियोनेटल मेनिनजाइटिस पर एक खास सेशन में शुरूआती पहचान और मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी पर जोर दिया गया। सीएमईके दूसरे दिन की एक बड़ी खास बात मल्टीड्रग रेजिस्टेंस के दौर में एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी के मैनेजमेंट पर एक मल्टीडिसिप्लिनरी पैनल डिस्कशन था, जो एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप को लेकर दुनिया भर में बढ़ती चिंता को दिखाता है। मुख्य थीम में बच्चों की प्रैक्टिस में एंटीमाइक्रोबियल स्टीवर्डशिप के सिद्धांत, लोकल एंटीबायोग्राम का इस्तेमाल करके सही एंपिरिकल थेरेपी चुनना, माइक्रोबायोलॉजिकल डेटा मिलने पर डी-एस्केलेशन स्ट्रेटेजी और गैर-जरूरी ब्रॉड-स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक इस्तेमाल से बचना शामिल था। आखिरी साइंटिफिक सेशन में चाइल्डहुड क्लिनिकल केयर में नेक्स्ट-जेनरेशन सीक्वेंसिंग एप्लीकेशन और इम्यूनिटी की इनबोर्न एरर के इवैल्यूएशन पर बात की गई, जिससे पीडियाट्रिक्स में प्रिसिजन मेडिसिन की ओर बदलाव पर जोर दिया गया। इस साल के सीएमईकी एक जानकारी देने वाली बात हर सेशन के बाद इंटरैक्टिव क्विज के जरिए ऑडियंस एंगेजमेंट थी। ऑडियंस में से विनर्स को प्रोग्राम के आखिर में प्राइज दिए गए। रिसर्च पोस्टर विनर के नाम भी दिन के आखिर में अनाउंस किए गए। रिसर्च पोस्टर के लिए पहला प्राइज सीनियर रेजिडेंट्स में डॉ. पुजिता वल्लभनेनी, जूनियर रेजिडेंट्स में डॉ. शिवांगी मिश्रा और ढँऊस्कॉलर्स में सुश्री यशु शर्मा को दिया गया। दिन प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन और एक फॉर्मल वोट ऑफ थैंक्स के साथ खत्म हुआ।

स्व. लाला अमरनाथ अग्रवाल की 18वीं पुण्यतिथि पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

समाजसेवी एवं प्रेरणास्रोत स्वर्गीय लाला अमरनाथ अग्रवाल की 18वीं पुण्यतिथि 1 मार्च 2026 को श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक राधी देवी पोलिक्लीनिक, अमरावती एन्क्लेव, पंचकूला में निःशुल्क मल्टी-स्पेशियलिटी हेल्थ चेकअप कैंप लगाया गया। शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया। शिविर का शुभारंभ कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा तथा पंचकूला के पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने किया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी और लगभग 350 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक शक्ति रानी शर्मा ने चिकित्सकों एवं जांच करवाने आए लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करवाते रहना चाहिए, ताकि बीमारियां प्रारंभिक अवस्था में ही पकड़ में आ सकें और उनका उचित उपचार संभव हो सके।

मूल्यों, शिक्षा और संवेदनशील नेतृत्व की विरासत को समर्पित रहा उपकार कृष्ण शर्मा मेमोरियल लेक्चर

तकनीकी प्रगति के बीच मूल्य आधारित नेतृत्व की आवश्यकता: प्रो. करमजीत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पूर्व प्रेसिडेंट उपकार कृष्ण शर्मा की जयंती पर तीसरे मेमोरियल लेक्चर का आयोजन कॉलेज में किया गया। कार्यक्रम में उनके व्यक्तित्व, मूल्यों और शैक्षिक दृष्टि को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनकी पुत्री एवं वर्तमान प्रेसिडेंट वैशाली शर्मा ने सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अपने पिता के जीवन से जुड़े प्रेरक और संवेदनशील प्रसंग साझा किए। उन्होंने कहा कि उनके पिता का जीवन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और करुणा के सिद्धांतों पर आधारित था। उनके लिए जाति, पंथ, धर्म, लिंग अथवा सामाजिक स्थिति से ऊपर मानवता का मूल्य सर्वोपरि था।

उन्होंने बताया कि स्वर्गीय शर्मा ने अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण में उनकी गहरी आस्था उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थानों की सोच और संरचना में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वैशाली शर्मा ने कोविड-19 संकट के कठिन समय को याद करते हुए कहा कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया, जो उनके कर्तव्यबोध और जिम्मेदारी की भावना का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि उनके जीवन का उद्देश्य सदैव अपने पिता की अपेक्षाओं और मूल्यों पर खरा उतरना रहा है।

कार्यक्रम के आमंत्रित वक्ता गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के वाइस-चांसलर प्रो.करमजीत सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को स्मरण करने का अवसर भर नहीं, बल्कि उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण

करने का एक सार्थक मंच है। उन्होंने कहा कि महान संस्थान संयोगवश नहीं बनते, बल्कि दूरदर्शी सोच, स्पष्ट उद्देश्य और सुनियोजित प्रयासों से आकार लेते हैं—और यही गुण स्वर्गीय शर्मा के नेतृत्व की विशिष्ट पहचान थे। उनके नेतृत्व में संस्थान केवल विकसित ही नहीं हुए, बल्कि उन्होंने स्थायी व्यवस्थाओं और सशक्त कार्यसंस्कृति की नींव रखी।

प्रो. सिंह ने रेखांकित किया कि स्वर्गीय शर्मा ने अनुशासन, जवाबदेही और नैतिक विश्वसनीयता पर आधारित एक ऐसी संस्थागत संस्कृति का निर्माण किया, जिसने दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की। उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन रखते हुए प्रतिभा को प्रोत्साहित किया, जिससे संस्थान मूल्य-आधारित दिशा में आगे बढ़ा। समकालीन चुनौतियों पर बोलते हुए प्रो.करमजीत सिंह ने कहा कि तकनीकी प्रगति के बावजूद आज समाज को संवेदनशील और विनम्र नेतृत्व की आवश्यकता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समस्या-समाधान की क्षमता, विश्लेषणात्मक चिंतन, प्रभावी संवाद कौशल तथा डिजिटल दक्षता विकसित करने पर बल दिया। लेक्चर का समापन इस आान के साथ हुआ कि स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सर्वोत्तम मार्ग संस्थागत उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना, प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, सामाजिक सरोकारों के प्रति संवेदनशील बने रहना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना तथा तकनीकी नवाचार को समानता के मूल्यों के साथ समाहित करना है—ये वही आदर्श थे जिन्होंने उनके जीवन और विरासत को विशिष्ट पहचान प्रदान की।

प्रशासक ने उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का किया उद्घाटन

स्वर्गीय उपकार कृष्ण शर्मा की प्रेरणादायी विरासत को श्रद्धांजलि स्वरूप पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कॉलेज परिसर में पीएम-उषा योजना के अंतर्गत निर्मित उपकार शर्मा ओपन एयर थिएटर का विधिवत उद्घाटन किया। यह ओपन एयर थिएटर समग्र एवं बहुआयामी शिक्षा की अवधारणा का प्रतीक होगा, जहाँ शिक्षण केवल कक्षाओं तक सीमित न रहकर संस्कृति, सृजनात्मकता, संवाद और अभिव्यक्ति के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।

समाचार पत्र पंजीयन (केंद्रीय) कानून, 1956 आठवें नियम के अंतर्गत अपेक्षित ''सिटी दर्पण'' नामक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा

प्रपत्र-4

1. प्रकाशन का स्थान	: चंडीगढ़
2. प्रकाशन की अवधि	: दैनिक
3. मुद्रक का नाम	: भूपिंद्र शर्मा
क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
पता	: 801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़
4. प्रकाशक का नाम	: भूपिंद्र शर्मा
क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
पता	: 874बी, सेक्टर-43ए, चंडीगढ़
5. संपादक	: भूपिंद्र शर्मा
क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
पता	: 874बी, सेक्टर-43ए, चंडीगढ़

मैं, भूपिंद्र शर्मा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

तिथि: 2 मार्च, 2026

भूपिंद्र शर्मा
संपादक